{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 29 सितम्बर 2026
अश्विन कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 09
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	72,771.72
निफ्टी	-	22,780.25
सोना	-	1,58,793
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	96.02

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

यौन उत्पीडऩ केस में बृजभूषण को नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर से बढ़ सकती है। महिला पहलवानों ने एक बार फिर यौन उत्पीडऩ मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बृजभूषण सिंह के बरी होने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस अपील पर बृजभूषण और विनोद तोमर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने सोमवार नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। महिला पहलवानों का तर्क है कि निचली अदालत का फैसला 'रूढ़िवादी और घिसी-पिटी धारणाओं' पर आधारित है। साथ ही डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर को क्रिमिनल धमकी के चार्ज से बरी करने के फैसले को भी चुनौती दी है। कोर्ट ने बृजभूषण और विनोद तोमर को 3 अगस्त को बरी कर दिया था।

खाई में गिरी सूमो, पांच लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के करनाह इलाके में सोमवार को हुए सडक़ हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसा टीटवाल-सिमरी मार्ग पर सिमरी इलाके में हुआ। यात्रियों से भरी एक सूमो वाहन अनियंत्रित होकर सडक़ से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को इलाज के लिए पहले उप-जिला अस्पताल तंगधार पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जीएमसी हंदवाड़ा रेफर कर दिया। हादसे में जान गंवाने वाले और घायल लोगों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है।

शिवसेना पार्षद को तीन दिन में करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को दी गई जमानत रद्द कर दी है। कोर्ट ने म्हात्रे को 3 दिन में सरेंडर करने का आदेश देते हुए कहा कि मेडिकल जगत के लोग लोगों की सेवा करते हैं, उन पर इस तरह से हमला नहीं किया जा सकता है। रमेश म्हात्रे पर एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टर के साथ मारपीट करने का आरोप है। महाराष्ट्र के केडीएमसी के शास्त्री नगर अस्पताल में 6 जुलाई को दो डॉक्टरों के साथ मारपीट का मामला हुआ था जिसमें शिवसेना पार्षदरमेश म्हात्रे को पुलिस ने 9 जुलाई को गिरफ्तार किया था। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, एक महिला ने सीजेरियन ऑपरेशन से बच्चे को जन्म दिया था। जांच में पता चला कि बच्चे की गर्दन में नाल दो बार लिपटी हुई थी इसलिए उसे तुरंत विशेष इलाज की जरूरत थी।

एसआईआर पर घमासान : ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर अड़ी कांग्रेस, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन, आगरा में सीईसी के घर पर कालिख पोती; राजस्थान में पूर्व सीएम गहलोत,कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाई, भोपाल में बैरिकेडिंग पर भिड़े कार्यकर्ता; वाटर कैनन चला पुलिस ने नेताओं को हिरासत में लिया, कांग्रेसी बोले...

वोट चोरों को जेल...बैलेट पेपर से हो चुनाव

नई दिल्ली/भोपाल/रायपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर इन दिनों देश की सियासत गरमाई हुई है। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर है। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में चौतरफा दबाव बनाने की तैयारी में है। इसके लिए पार्टी ने पूरी रणनीति तैयार कर ली है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली, केरल समेत देशभर में सोमवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वोट चोरों को जेल भेजा जाए और बैलेट पेपर से आगामी चुनाव कराए जाएं।

मध्य प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर भी चढ़ गए। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की। पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया ने ज्ञानेश कुमार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उन्हें फांसी देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर ईवीएम से चुनाव हुए तो वे चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहने और जंजीरों में जकड़े एक कार्यकर्ता को जीतू पटवारी और उमंग सिंघार जंजीरों से पकड़े नजर आए।

हथकड़ी पहन सडक़ों पर उतरे जीतू और सिंघार

प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के अनोखे विरोध प्रदर्शन ने खींचा। दोनों शीर्ष नेता अपने हाथों में प्रतीकात्मक हथकड़ी पहनकर पैदल मार्च में शामिल हुए। उनके साथ प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे समेत प्रदेश भर से आए कांग्रेस के विधायक और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे। कांग्रेस दफ्तर से शुरू हुआ यह पैदल मार्च जैसे ही व्यापमं चौराहे के पास पहुंचा, वहां पहले से मौजूद पुलिस बल ने भारी बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। विरोध जताते हुए उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और विधायक महेश परमार पुलिस के लगाए बैरिकेड्स पर ही चढ़ गए और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जयपुर में गहलोत-डोटासरा-जूली पर वाटर कैनन चलाई

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पहले शहीद स्मारक पर सभा हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए कूच किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया तो हल्की झड़प हो गई। पुलिस ने गहलोत-डोटासरा-जूली समेत सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाई। इसके बाद सभी नेताओं को वैन में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले जाया गया। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- देश में बहुत खतरनाक खेल चल रहा है। गुंडागर्दी चल रही है। लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। असम में मनमाने परिसीमन की वजह से हम साफ हो गए। विधानसभा और लोकसभा के परिसीमन में भी गड़बड़ी का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सचेत रहना होगा, यह करो या मरो की लड़ाई है।

बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक

इसके अलावा बुधवार को इसी मुद्दे पर इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित बैठक है. यह बैठक मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर हो रही है, जिसकी जानकारी टीएमसी ने दी है. हाल ही में ममता बनर्जी ने राहुल गांधी से फोन पर बात की थी और उनसे इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने का आग्रह किया था. पार्टी के मुख्यमंत्री भी आधिकारिक लाइन पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करेंगे. इसके साथ ही कांग्रेस का मीडिया विभाग देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा. इस दौरान कथित वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त के मोदी सरकार से जुड़े होने के आरोप उठाए जाएंगे.

बडोदरा-सूरत में कांग्रेस और पुलिस के बीच झड़प

कांग्रेस ने आज गुजरात भर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। राजकोट, वडोदरा, सूरत और जूनागढ़ जैसे प्रमुख शहरों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहने, नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन करते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। राजकोट में, शहर की कांग्रेस ने एक युवक को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनाकर रस्सी से बांध दिया और कलेक्टर कार्यालय ले गई। इसके अलावा, शहर के कांग्रेस अध्यक्ष राजदीपसिंह जडेजा ने मुखौटा पहने हुए युवक को घुटनों के बल बिठाया और उसे लाठी से चलने के लिए मजबूर किया।

लखनऊ में पुलिस से भिड़े कांग्रेसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर यूपी में कांग्रेस कार्यकर्ता सडक़ पर उतर आए हैं। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। लखनऊ में चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो वे भिड़ गए। लखनऊ में चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो वे भिड़ गए। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने हटाने की कोशिश की तो कार्यकर्ता सडक़ पर लेट गए। पुलिसवालों ने उन्हें टांगकर वैन-बस में बैठाया और ईको गार्डन ले गए। वहीं, काशी में कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पोस्टर को जूतों से पीटा। महिला कार्यकर्ताओं ने चूडिय़ां लेकर प्रदर्शन किया। मुरादाबाद, गोरखपुर और सहारनपुर में भी कांग्रेसियों और पुलिसवालों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

झारखंड में चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ सोमवार को झारखंड के विभिन्न जिलों में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई जिलों ने उनका पुतला भी दहन किया गया। लातेहार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमवाटीकर स्थित अंबेडकर चौक से पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ता मेन रोड होते हुए समाहरणालय गेट पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोरी नहीं चलेगी' समेत अन्य नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष कामेश्वर यादव ने की। प्रदेश सचिव अमित साहू ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार चुनाव आयोग के साथ मिलकर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश संयुक्त सचिव आफताब आलम ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में धांधली की जा रही है, जिसके कारण भाजपा चुनाव जीत रही है।

शाही मस्जिद विवाद- एआईएमआईएम नेता मोहसिन गिरफ्तार, औवेसी ने की निंदा

उज्जैन (ईएमएस)। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण को लेकर शाही मस्जिद हटाने के प्रयास पर फिर विवाद गर्मा गया है। कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक करीब 900 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा करने के अभियान में कई धार्मिक स्थलों को पहले ही हटाया जा चुका है, लेकिन शाही मस्जिद पर मामला गर्मा गया। रविवार रात पुलिस बल और भारी मशीनें मौके पर पहुंचीं, जिसके बाद मुस्लिम समाज के लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए। सोमवार सुबह मस्जिद के कार्यकर्ताओं द्वारा खुद से मस्जिद तोड़ी जाने की बात कही जा रही थी, लेकिन बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होकर इसका विरोध कर रहे है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स पर पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस घटना पर एआईएमआईएम प्रमुख और असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शाही मस्जिद बचाने के लिए शांतिपूर्वक विरोध कर रही उज्जैन की अवाम को सलाम किया और एआईएमआईएम नेताद खान की गिरफ्तारी को गलत बताया। ओवैसी ने कहा कि मोहसिन उज्जैन के नागझेरी थाने में हिरासत में हैं। वहीं, अखिल भारतीय साधु संत सन्यासी परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष महंत अनिलानंद महाराज ने स्थिति को उज्जैन को तालिबान बनाने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि सड़कें सार्वजनिक उपयोग के लिए चौड़ी की जा रही हैं और जब हिंदू समाज ने कई मंदिरों को हटाने की स्वीकृति दी है, तब दूसरे धर्म के लोगों को आपत्ति क्यों हो रही है। उन्होंने प्रशासन से तालिबानी सोच का दमन कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

एलपीजी सिलेंडर पर 1 अक्टूबर से नया नियम, सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक जरूरी

नई दिल्ली। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 1 अक्टूबर 2026 से नया नियम लागू होने जा रहा है। अब रियायती कीमत और लागू सब्सिडी के साथ घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए आधार बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जरूरी होगा। सरकार के मुताबिक, 19 सितंबर तक 27.43 करोड़ यानी करीब 89.9 प्रतिशत सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता यह प्रक्रिया पूरी कर चुके थे। जिन लोगों का प्रमाणीकरण पहले ही हो चुका है, उन्हें दोबारा कोई प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं होगी। नए नियम का मतलब यह नहीं है कि आधार सत्यापन नहीं कराने पर गैस सिलेंडर मिलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। जो उपभोक्ता बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नहीं कराते, वे संबंधित तेल विपणन कंपनी के डिजिटल माध्यमों पर अपनी पसंद दर्ज कराकर बाजार कीमत पर एलपीजी ले सकेंगे। ऐसे उपभोक्ताओं को उपलब्धता के आधार पर 5 या 10 किलोग्राम के सिलेंडर दिए जा सकते हैं, लेकिन सब्सिडी का लाभ नहीं मिलेगा। आधार बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए उपभोक्ता गैस की डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मी की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा संबंधित वितरक के शोरूम पर जाकर या तेल कंपनियों के मोबाइल ऐप के जरिए भी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इंडेन के लिए इंडियनऑयल वन, भारत गैस के लिए हेलो बीपीसीएल और एचपी गैस के लिए एचपी पे ऐप उपलब्ध हैं। सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य सब्सिडी को वास्तविक और पात्र उपभोक्ताओं तक पहुंचाना, डुप्लीकेट या अपात्र कनेक्शनों की पहचान करना और घरेलू सब्सिडी वाले सिलेंडरों के व्यावसायिक इस्तेमाल को रोकना है। सितंबर 2026 में 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर निहित सब्सिडी करीब 210 रुपये बताई गई है।

दीपके का 2 अक्टूबर से जेल भरो आंदोलन, चुनौतियों के बावजूद सीईसी पर दबाव जारी

मुंबई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आगामी 2 अक्टूबर से मुंबई में जेल भरो आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। यह फैसला तब लिया गया जब मुंबई पुलिस ने पार्टी को देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पहले प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इंकार किया। दीपके ने नए आंदोलन की जानकारी दी, जो उनकी दृढ़ता और चुनावी प्रक्रिया में सुधार की उनकी मांग को दिखाता है। मुंबई पुलिस ने सीजेपी को 2 अक्टूबर को शिवाजी पार्क में होने वाले प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी। पुलिस ने इसके पीछे उच्च न्यायालय के निर्देश, नगर निकाय की अनुमति का अभाव और संभावित यातायात बाधाओं का हवाला दिया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मौजूदा आदेशों के तहत पुलिस विभाग को इस प्रतिष्ठित मैदान में सार्वजनिक सभाओं की इजाजत देने का अधिकार नहीं है।

सीजेपी लगातार सीईसी ज्ञानेश कुमार पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली करने और नागरिकों से मतदान का अधिकार छीनने का आरोप लगाती रही है। पार्टी ने पहले ज्ञानेश कुमार के फैसलों पर आपत्ति जताकर जंतर-मंतर 2.0 की चेतावनी दी थी और 48 घंटे के भीतर उनके इस्तीफे की मांग की थी। इसमें विफल रहने पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन और दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी गई थी। जेल भरो आंदोलन की घोषणा पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका को असम में हिरासत में लेने के कुछ ही समय बाद की गई, हालांकि उन्हें बाद में रिहा किया गया। इन झटकों के बावजूद, सीजेपी को लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर सोनम वांगचुक का समर्थन मिला है। वांगचुक ने 2 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन का समर्थन कर कहा कि वे देश में जवाबदेही और चुनावी प्रक्रिया में सुधार के प्रयासों के साथ हैं, भले ही वे व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल न हो सकें। वांगचुक ने उम्मीद जाहिर कि यह आंदोलन अपने दम पर आगे बढ़ेगा और अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा। वांगचुक ने कहा, समर्थन निश्चित रूप से है। देश में जवाबदेही बेहतर करने के लिए जो भी प्रयास होगा, मैं हमेशा उनके साथ हूं। उन्होंने कहा, मेरे लिए आंदोलनों का समर्थन करने का मकसद यही है कि ये आंदोलन अपने दम पर आगे बढ़ें। अब इस मुद्दे को लेकर कई लोग सामने आ गए हैं और यह देखकर मुझे खुशी है, इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त से जुड़े इस मुद्दे पर मेरी जरूरत नहीं पड़ेगी।

आशीष दुबे / 28 सितंबर 2026

कुछ ना कहना

यूपीआई एमडीआर पर रोक लगाने से इंकार: केंद्र और आरबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीआई पेमेंट पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इंकार किया है। हालांकि, कोर्ट ने इस संबंध में केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने अधिवक्ता अंजन दत्ता द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के लिए सहमति जाहिर की और सभी पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा कानूनी से अधिक तकनीकी है। केंद्र ने अदालत को सूचित किया कि नए ढांचे के तहत लगभग 96 प्रतिशत लेनदेन शुल्क मुक्त रहने वाले है। जबकि रेलवे, दूरसंचार, बीमा और कृषि जैसे आवश्यक सेवाओं के लिए एमडीआर 5 रुपये तक सीमित होगा। अधिवक्ता दत्ता की याचिका आरोप लगाती है कि ये शुल्क पर्याप्त वैधानिक सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता और सार्वजनिक परामर्श के बिना लगाए गए हैं। याचिका भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की संशोधित धारा 10ए की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती देती है, जिसमें कहा गया है कि यह प्रावधान कार्यपालिका को बिना स्पष्ट दिशानिर्देशों के इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर शुल्क तय करने का अधिकार देता है।

गौरतलब है कि 15 अक्टूबर से लागू हुए नए फ्रेमवर्क के तहत, 2,000 रुपये से अधिक के सामान्य पर्सन टू मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाने का फैसला किया गया है। 75,000 रुपये या उससे अधिक के ट्रांजैक्शन के लिए एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है।

मंत्री प्रवेश वर्मा के थप्पड़ कांड पर एक्शन

पुलिस ने दर्ज की एनसीआर, आप विधायक जनरैल सिंह पर एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा एक युवक को थप्पड़ मारे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस हाई-प्रोफाइल विवाद में अब पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शिकायत के आधार पर मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर ली है। वहीं, पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आप विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने और डराने-धमकाने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। एक बयान में कहा गया है कि पीडब्ल्यूडी के असिस्टेंट इंजीनियर की शिकायतों के आधार पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। इस घटना के संबंध में कुछ अन्य शिकायतें भी मिली हैं, जिन पर जांच के दौरान कार्रवाई की जाएगी।

प्रवेश वर्मा पर एनसीआर दर्ज

तिलक नगर में हुई झड़प और थप्पड़ मारने की घटना के बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने त्वरित कदम उठाया है। पुलिस ने प्राप्त शिकायत के आधार पर मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर ली है। इस घटना के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है।

अमेरिका ने चुनिंदा भारतीय दवाओं पर शून्य टैरिफ का किया ऐलान

नई दिल्ली। अमेरिका ने कुछ खास भारतीय दवाओं और उनके निर्माण में प्रयुक्त सामग्री पर शून्य टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। यह फैसला भारत के लिए बड़ी राहत है, जो अमेरिका को दवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा ये सूची तब आई है जब अमेरिका 29 सितंबर से कुछ पेटेंट वाली दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी में था। हालांकि, यह छूट भारत से अमेरिका भेजी जाने वाली हर तरह की दवा पर लागू नहीं होगी। इसका लाभ केवल उन विशिष्ट दवाओं और फार्मा सामग्री को मिलेगा जिन्हें अप्रैल में राष्ट्रपति की घोषणा में शामिल किया था।

शून्य टैरिफ का लाभ पाने वाले पात्र उत्पादों में अनाथ दवाएं (दुर्लभ बीमारियों की दवाएं), न्यूक्लियर दवाएं, प्लाज्मा-आधारित उपचार, प्रजनन दवाएं, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी और एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु खतरों से निपटने में उपयोग होने वाले कुछ मेडिकल उत्पाद और पशु चिकित्सा से संबंधित उत्पाद भी इस छूट के दायरे में आएंगे।

नगरपालिका में हितग्राहियों ने सुनाई जीवन बदलने की कहानी

वड़नगर से वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा का बालाघाट में भव्य स्वागत; बच्चों को खेल सामग्री वितरण, हितग्राही संवाद और अटल उद्यान में वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसी परिवार को बच्चे के हृदय का उपचार मिला, किसी को पक्की छत, तो किसी को व्यवसाय फिर से खड़ा करने का सहारा। नगर पालिका परिषद बालाघाट में आयोजित हितग्राही संवाद में जब लाभार्थियों ने अपने अनुभव सुनाए, तो जनकल्याणकारी योजनाओं से जीवन में आए बदलाव सामने आए। अवसर था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही मोटरसाइकिल यात्रा के स्वागत का। कार्यक्रम में स्वच्छता प्रहरियों का शॉल, श्रीफल और पुष्पवर्षा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गुजरात के दाहोद लोकसभा क्षेत्र के सांसद जसवंतसिंह सुमनभाई भामोर, स्थानीय सांसद श्रीमती भारती पारधी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा,पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम दीदी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश 'पप्पू' बिसेन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी सहित सभापतिगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, यात्रा में शामिल बाइकर्स एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

नगर में पुष्पवर्षा से स्वागत, छात्रावास में बच्चों को दी खेल सामग्री

सेवा से जुड़े आयोजन करते हुए आगे बढ़ रही यात्रा का बालाघाट नगर के विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा दल ने सर्वप्रथम आदिवासी बच्चों के छात्रावास पहुँचकर विद्यार्थियों से भेंट की और उन्हें खेलकूद की सामग्री वितरित की। इसके पश्चात सभी यात्री नगर पालिका परिषद में आयोजित स्वच्छता प्रहरी सम्मान एवं हितग्राही संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए।

शहर को स्वच्छ रखने वाले हाथों का सम्मान

कार्यक्रम में स्वच्छता प्रहरियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर तथा उन पर पुष्पवर्षा कर उनके श्रम और समर्पण का अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने कहा कि प्रतिदिन नगर की सफाई में जुटने वाले स्वच्छता प्रहरी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके परिश्रम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ नागरिकों को भी स्वच्छता अपनी जिम्मेदारी मानकर सहयोग करना चाहिए।

आयुष्मान भारत से बच्चों को मिला जीवनरक्षक उपचार

हितग्राही संवाद में आयुष्मान भारत योजना से मिले उपचार के अनुभव विशेष रूप से सामने आए। बताया गया कि बालाघाट निवासी 15 वर्षीय जैद खान के हृदय का ऑपरेशन मुंबई में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कराया गया। उनके उपचार पर पाँच लाख रुपये की सहायता मिली और वे लगभग 40 दिनों तक चिकित्सालय में भर्ती रहे। महँगे उपचार की चुनौती के बीच योजना परिवार के लिए बड़ा सहारा बनी। किरनापुर निवासी पाँच माह के मिरांश नकपुरे के माता-पिता ने बताया कि उनके बच्चे के हृदय में छेद था। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 4 लाख 97 हजार रुपये का उपचार उपलब्ध हुआ और बच्चे की हृदय की सर्जरी कराई गई। बच्चा 26 दिनों तक चिकित्सालय में भर्ती रहा। परिवार ने उपचार में मिले सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बताया गया कि बालाघाट जिले में लगभग 12 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं और हजारों जरूरतमंद उपचार का लाभ ले रहे हैं। आर्थिक अभाव के कारण जो परिवार पहले महँगा इलाज नहीं करा पाते थे, उन्हें सुविधायुक्त चिकित्सालयों में उपचार मिलने से राहत मिल रही है।

कन्या विवाह योजना से जरूरतमंद परिवारों को सहयोग

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की लाभार्थी प्रिया भास्कर ने योजना से मिले सहयोग का अनुभव साझा किया। इस अवसर पर बताया गया कि नगर पालिका परिषद के लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में योजना के अंतर्गत 1,500 से अधिक जोड़ों का विवाह कराया गया है। योजना के तहत मिलने वाली 50 हजार रुपये की सहायता जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है।

पति के निधन के बाद संबल योजना ने दिया सहारा

वार्ड क्रमांक 13 की निवासी श्रीमती लीला भालाधरे ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद परिवार के सामने कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गई थीं। ऐसे समय में संबल योजना के माध्यम से प्राप्त दो लाख रुपये की अनुग्रह सहायता ने परिवार को आर्थिक संबल दिया।

पीएम स्वनिधि से सँवरा व्यवसाय, बैंक में बढ़ी साख

वार्ड क्रमांक 22 के निवासी विनय कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना काल की कठिनाइयों के बीच प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके व्यवसाय का सहारा बनी। उन्होंने क्रमशः 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये का ऋण लिया तथा उसका पूरा भुगतान किया। समय पर ऋण चुकाने से बैंक में उनकी साख बढ़ी और व्यवसाय को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने में मदद मिली।

स्व-सहायता समूह से बढ़ा महिलाओं का आत्मविश्वास

उज्ज्वला आजीविका स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रानी फुलसुंगे ने समूह के माध्यम से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समूहों से जुड़कर महिलाएँ बचत, ऋण और स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठा रही हैं। दस हजार रुपये के छोटे ऋण से शुरुआत करने वाली महिलाएँ आज दो लाख रुपये से अधिक का ऋण लेकर अपने रोजगार का विस्तार कर रही हैं। इससे परिवार की आय के साथ महिलाओं का आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन भी बढ़ा है।

बारिश में गिरा घर, प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली पक्की छत

पूर्व पार्षद शेख साबिर ने बताया कि पार्षद रहते हुए जब वे नगर से बाहर गए थे, उसी दौरान बारिश में उनका घर गिर गया था। इस कठिन परिस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना उनका सहारा बनी। योजना से प्राप्त ढाई लाख रुपये की सहायता में अपनी राशि जोड़कर उन्होंने पक्का घर बनाया। परिवार को सुरक्षित आवास मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

हितग्राहियों के अनुभवों में दिखता है योजनाओं का महत्व- जसवंतसिंह भामोर

गुजरात से पधारे सांसद जसवंतसिंह सुमनभाई भामोर ने बालाघाट में मिले आत्मीय स्वागत के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब जरूरतमंद परिवार उपचार, पक्के आवास और स्वरोजगार में मिली सहायता के अनुभव बताते हैं, तब जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक महत्व सामने आता है। उन्होंने युवा बाइकर्स के उत्साह और सेवा भावना की सराहना करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में प्रत्येक नागरिक से सहभागी बनने का आह्वान किया।

देश के साथ बदल रहा है हमारा बालाघाट - भारती पारधी

स्थानीय सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि देश के साथ बालाघाट जिला भी नक्सल मुक्त होने के बाद विकास और नई संभावनाओं की ओर आगे बढ़ रहा है। यात्रा में शामिल युवा प्रत्येक पड़ाव पर स्वच्छता, जरूरतमंदों की सहायता और वृक्षारोपण जैसे कार्यों से समाज को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और सेवा भावना राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति है। यात्रा दल का स्वागत करते हुए उन्होंने सभी यात्रियों की सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

जनकल्याणकारी योजनाओं से राष्ट्र की प्रगति को गति -मौसम दीदी

मौसम दीदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राष्ट्र को निरंतर आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँच रही सुविधाएँ और अवसर विकसित भारत के संकल्प को मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

प्रतिदिन स्वच्छता महाअभियान और जनसंवाद से सेवा का प्रयास -भारती ठाकुर

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। नागरिकों से संवाद कर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले और जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुँचे। उन्होंने स्वच्छता प्रहरियों के योगदान को नमन करते हुए नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।

अटल उद्यान में पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नगर पालिका परिषद के कार्यक्रम के पश्चात अटल उद्यान में अटलजी की मूर्ति पर माल्यार्पण के पश्चात वृक्षारोपण किया गया। यहाँ अतिथि सांसद जसवंतसिंह सुमनभाई भामोर, स्थानीय सांसद श्रीमती भारती पारधी तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ यात्रा में शामिल बाइकर्स ने पौधे रोपे। इस आयोजन के माध्यम से हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन योजना शाखा की सभापति श्रीमती योगीता विनय बोपचे ने किया। अंत में नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश 'पप्पू' बिसेन ने अतिथियों, यात्रा में शामिल बाइकर्स, स्वच्छता प्रहरियों, हितग्राहियों एवं उपस्थित सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस पर कार्यशाला आयोजित

सुरक्षित गर्भपात अधिनियम, प्रक्रिया एवं अनुमोदित संस्थाओं की दी गई जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में सुरक्षित गर्भपात से संबंधित कानूनी प्रावधानों, निर्धारित प्रक्रिया तथा स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान राज्य स्तर से प्राप्त पैनल चर्चा एवं मार्गदर्शन के अनुरूप समूह चर्चा भी आयोजित की गई। डीपीएचएनओ श्रीमती वंदना बांगरे, जिला मूल्यांकन अधिकारी सिद्धार्थ मेश्राम तथा डीसीएम गजेंद्र पटले द्वारा सुरक्षित गर्भपात से संबंधित विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दाहिया ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य सुरक्षित गर्भपात से जुड़े प्रावधानों के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों को जागरूक करना है, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को निर्धारित नियमों के अनुसार सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यशाला में बताया गया कि सुरक्षित गर्भपात किन परिस्थितियों में, कब और किस प्रकार कराया जा सकता है, इसके लिए निर्धारित कानूनी एवं चिकित्सकीय प्रावधानों का पालन आवश्यक है। साथ ही यह भी बताया गया कि गर्भपात केवल निर्धारित मापदंडों को पूरा करने वाली तथा सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित संस्था में ही कराया जाना चाहिए। अधिकारियों को सुरक्षित गर्भपात से संबंधित मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम, 1971 एवं इसके अंतर्गत लागू प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि सुरक्षित गर्भपात के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, निर्धारित चिकित्सा संस्थान तथा कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक है। कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सुरक्षित गर्भपात संबंधी सेवाओं, कानून एवं निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी देकर समन्वय के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने फिर मारी बाजी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सत्र 2020-21 के तृतीय वर्ष के नर्सिंग विद्यार्थियों ने परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त किया है। कॉलेज के सभी विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर संस्था का नाम गौरवान्वित किया। कॉलेज प्रबंधन ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और नियमित अध्ययन के साथ-साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। प्रबंधन ने कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज परिवार ने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए किया।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर राशन विक्रेताओं ने सौंपा ज्ञापन, मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन की चेतावनी

6 महीनों से लंबित भुगतान की मांग, राशन विक्रेता बोले कम आय में दुकान संचालन और परिवार चलाना मुश्किल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश की शासकीय उचित मूल्य दुकानों से जुड़े राशन विक्रेताओं ने वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण को लेकर सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मध्यप्रदेश राशन विक्रेता संघ के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में पांच सूत्रीय मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की गई है। संघ का कहना है कि प्रदेश की करीब 28 हजार उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने की जिम्मेदारी राशन विक्रेता निभा रहे हैं, लेकिन इसके बदले मिलने वाला कमीशन बढ़ती महंगाई और दुकान संचालन के खर्च के मुकाबले बेहद कम है। संघ ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा।

राशन विक्रेताओं का कहना है कि कोरोना महामारी सहित विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने शासन के निर्देशों के अनुसार राशन वितरण का काम जारी रखा, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने के बजाय लगातार गिरावट आई है। संघ से जुड़ी श्रीमती निशा ने बताया कि पहले जहां करीब 10 हजार 500 रुपए तक आय होती थी, वहीं अब यह राशि घटकर लगभग 5 हजार 700 रुपए रह गई है। इतनी कम आय में दुकान का संचालन करने के साथ परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमीशन का भुगतान भी नियमित नहीं किया जा रहा है और कई विक्रेताओं का पांच से सात माह तक का भुगतान लंबित है, जिससे आर्थिक संकट और गहरा गया है। ज्ञापन के माध्यम से संघ ने उचित मूल्य दुकानदारों के कमीशन में वृद्धि करने, लंबित भुगतान का तत्काल निपटारा करने तथा पीडीएस संचालन से जुड़ी आर्थिक समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। विक्रेताओं का कहना है कि अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में मिलने वाला कमीशन कम है, इसलिए उन्हें भी अन्य राज्यों के अनुरूप उचित और सम्मानजनक पारिश्रमिक दिया जाना चाहिए। पीओएस मशीन के माध्यम से राशन वितरण सहित अन्य जिम्मेदारियों और बढ़ते खर्च को देखते हुए कमीशन बढ़ाने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। राशन विक्रेताओं ने शासन को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। संघ की ओर से सात दिवसीय आंदोलन और हड़ताल की चेतावनी भी दी गई है। श्रीमती निशा ने कहा कि विभाग से जुड़े अन्य कर्मचारियों की आय समय के साथ बढ़ रही है, जबकि राशन विक्रेताओं की आय घटती जा रही है और ऊपर से भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि यदि सरकार ने लंबित मांगों और भुगतान के मामले में शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो राशन दुकानें बंद कर आंदोलन करने के लिए विक्रेताओं को मजबूर होना पड़ेगा।

कान्हा टाइगर रिजर्व में मृत मिला 11 माह का बाघ शावक

शरीर पर मिले संघर्ष के निशान, आपसी संघर्ष से मौत की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के कान्हा परिक्षेत्र अंतर्गत नक्तीघाटी बीट के कक्ष क्रमांक 138 में सोमवार, 28 सितंबर की सुबह गश्ती दल को एक बाघ शावक मृत अवस्था में मिला। गश्ती के दौरान वन क्षेत्र में बाघ के पदचिह्न एवं रक्त के निशान दिखाई देने के बाद क्षेत्र में सघन खोजबीन की गई, जिसमें मृत बाघ शावक का शव बरामद हुआ। गश्ती दल ने तत्काल घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल तथा आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कराई गई। इसके बाद डॉग स्क्वाड की सहायता से क्षेत्र में सघन जांच की गई।

पशु चिकित्सकों ने किया परीक्षण

मृत बाघ शावक का परीक्षण वरिष्ठ वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल एवं पशु चिकित्सक डॉ. ललित चौरसिया के दल द्वारा किया गया। परीक्षण में शावक की आयु लगभग 11 माह तथा लिंग मादा पाया गया। शावक के शरीर पर अन्य वन्यजीव के साथ संघर्ष के निशान एवं चोटें पाई गईं। इन चोटों के आधार पर पशु चिकित्सकों द्वारा आपसी संघर्ष के कारण मृत्यु होने की संभावना व्यक्त की गई है। हालांकि, मृत्यु के कारणों की जांच के लिए शव परीक्षण के दौरान फॉरेंसिक जांच हेतु आवश्यक नमूने भी संकलित किए गए हैं।

निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत किया गया अंतिम निस्तारण

घटना के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक जांच एवं दस्तावेजीकरण किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (ह्रृ्रष्ट) द्वारा निर्धारित मानक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मृत बाघ शावक के शव का पूर्णतः दाह/भस्मीकरण कर नष्ट किया गया। यह कार्रवाई क्षेत्र संचालक रविंद्र मणि त्रिपाठी, एनटीसीए द्वारा नामित प्रतिनिधि सुश्री शिवांगी वेंन्द्रे तथा दाह/भस्मीकरण समिति के अन्य उपस्थित सदस्यों की मौजूदगी में संपन्न की गई। वन विभाग द्वारा घटना से जुड़े सभी निर्धारित प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया गया।

आवश्यकता है
लड़कों की
आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भरवेली, एकोड़ी और खुरपुड़ी में सरपंच पद के लिए उप चुनाव आज

सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक होगा मतदान, 21 मतदान केंद्रों पर पहुंची मतदान सामग्री और ईवीएम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले की तीन ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के रिक्त पदों के लिए 29 सितंबर 2026 को उप निर्वाचन कराया जाएगा। जनपद पंचायत बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली, जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत एकोड़ी तथा जनपद पंचायत लालबर्रा की ग्राम पंचायत खुरपुडी में सरपंच पद के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच पद के लिए 5 उम्मीदवार, ग्राम पंचायत एकोड़ी में 4 उम्मीदवार तथा ग्राम पंचायत खुरपुडी में 2 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार तीनों ग्राम पंचायतों में 29 सितंबर को प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान कराया जाएगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान के लिए ग्राम पंचायत भरवेली में 15 मतदान केंद्र, ग्राम पंचायत एकोड़ी में 4 मतदान केंद्र तथा ग्राम पंचायत खुरपुडी में 2 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इस प्रकार तीनों ग्राम पंचायतों में कुल 21 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा।

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। 28 सितंबर को सभी मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल ईवीएम मशीन एवं आवश्यक मतदान सामग्री लेकर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच गए हैं। मतदान दलों द्वारा मतदान केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

3 अक्टूबर को होगी मतगणना

29 सितंबर को मतदान के बाद मतों की गणना 3 अक्टूबर 2026 को संबंधित विकासखंड मुख्यालय पर की जाएगी। मतगणना के बाद सरपंच पद के उप निर्वाचन का परिणाम घोषित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने संबंधित ग्राम पंचायतों के मतदाताओं से निर्धारित समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर शांतिपूर्ण ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है।

ईवीएम से मतदान के बाद चार दिन बाद मतगणना पर सरपंच प्रत्याशी ने उठाए सवाल

ग्राम पंचायत भरवेली में होने वाले सरपंच पद के उपचुनाव को लेकर सरपंच प्रत्याशी कल्पना संतकुमार वासनिक ने मतदान और मतगणना की निर्धारित तिथियों के बीच अंतर को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 28 सितंबर को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कहा कि 29 सितंबर को ईवीएम के माध्यम से मतदान कराया जाना है, जबकि मतों की गणना 3 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। प्रत्याशी ने मतदान के बाद मतगणना में कई दिनों का अंतर रखे जाने को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए इस व्यवस्था को स्पष्ट करने की मांग की है। कल्पना वासनिक ने अपने ज्ञापन में कहा कि पूर्व में ग्राम पंचायत के पंच और सरपंच के चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से होते थे और मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत परिणाम घोषित किया जाता था। उनका कहना है कि इस बार सरपंच पद का उपचुनाव ईवीएम से कराया जा रहा है, ऐसे में 29 सितंबर को मतदान होने के बाद 3 अक्टूबर को मतगणना किए जाने का कारण समझ से परे है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मतदान ईवीएम से हो रहा है तो मतदान और मतगणना के बीच चार दिन का अंतर क्यों रखा गया है। प्रत्याशी ने ज्ञापन में कहा कि मतदान के बाद मतगणना और परिणाम घोषित करने में कई दिनों का अंतर होने से ग्रामीणों और प्रत्याशियों के मन में तरह-तरह की आशंकाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि निर्वाचन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और मतदान के बाद मतगणना एवं परिणाम की प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट की जाए। उन्होंने यह भी मांग रखी कि यदि निर्वाचन नियमों में संभव हो तो जिस दिन मतदान कराया जाए, उसी दिन मतों की गणना कर परिणाम घोषित किया जाए। कल्पना वासनिक ने अपने ज्ञापन में जिला प्रशासन पर अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने की आशंका भी जताई है। उन्होंने कहा कि मतदान 29 सितंबर को, मतगणना 3 अक्टूबर को और विजयी प्रत्याशी को प्रमाण-पत्र 5 अक्टूबर को दिए जाने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। उन्होंने इस पूरे अंतराल को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी उपचुनाव कराने की मांग की है। हालांकि, किसी प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने संबंधी उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पंवार समाज महिला प्रकोष्ठ की नगर कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रीय संगठन पंवार समाज बालाघाट की महिला प्रकोष्ठ की बालाघाट नगर कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक शनिवार को

पंवार छात्रावास परिसर में आयोजित की गई। बैठक जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के निर्देश एवं जिला महिला अध्यक्ष आशालता चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में महिला प्रकोष्ठ की आगामी गतिविधियों और संगठन को नगर स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से बालाघाट नगर के विभिन्न वार्डों में महिला अध्यक्षों की नियुक्ति करने का प्रस्ताव पारित किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत करने से समाज की महिलाओं की सहभागिता बढ़ेगी और सामाजिक गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। इसके साथ ही आगामी प्रतिभा सम्मान समारोह और शरद महोत्सव के आयोजन को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नगर महिला अध्यक्ष इन्दु बिसेन, नगर महिला महासचिव वंदना बोपचे, नगर महिला कोषाध्यक्ष सुनिता बिसेन, हेमा गौतम, शीला पटेल, साविता बिसेन, इन्द्रकला येड़े, अमिता चौधरी, रंजना हनवत, भारती कटरे, वाणी बिसेन, अंजुलता तुरकर, मुनेश्वरी ठाकरे, ओमेश्वरी टेम्भरे, टी. कटरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वहीं जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र कटरे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र राहंगडाले, जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा बिसेन, गायत्री बिसेन, गरिमा गौतम, जिला महिला महासचिव योगिता बोपचे, सुनीता टेम्भरे और जिला महिला संरक्षक मीना बिसेन सहित समाज के अन्य पदाधिकारियों की भी मौजूदगी रही।

ट्रेनों की लेटलतीफी पर भड़का आक्रोश, ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति ने रेलवे स्टेशन पर किया प्रदर्शन

स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, भोपाल-इंदौर सीधी रेल सेवा और बालाघाट से पेंचवेली चलाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यात्री ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी और बालाघाट से नई रेल सेवाएं शुरू किए जाने की मांग को लेकर ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति ने सोमवार को रेलवे स्टेशन परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में परसवाड़ा विधायक मधु भगत और बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे की कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्टेशन अधीक्षक चौधरी को ज्ञापन सौंपकर यात्री सुविधाओं और रेल सेवाओं से जुड़ी मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की। ज्ञात हो कि यात्री ट्रेनों को लंबे समय तक रेलवे स्टेशनों पर खड़ा कर मालगाड़ियों को प्राथमिकता दिए जाने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोकल ट्रेन और मूकमाटी एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनें भी कई-कई घंटे विलंब से चल रही हैं। नियमित रूप से हो रही देरी के कारण यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है और रेलवे को यात्री ट्रेनों के संचालन को प्राथमिकता देते हुए समय-सारिणी के अनुसार परिचालन सुनिश्चित करना चाहिए। परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने कहा कि लामता-

चांगोटोला क्षेत्र, परसवाड़ा और बालाघाट जिले के लिए रेल कनेक्टिविटी का विस्तार महत्वपूर्ण है। उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक एवं पर्यटन संबंधी स्थिति का उल्लेख करते हुए बालाघाट में सभी प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किए जाने की मांग रखी। वहीं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने भोपाल और इंदौर के लिए सीधी रेल सेवा तथा पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन बालाघाट से किए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर यात्रियों और आम नागरिकों की ओर से लगातार मांग की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान समिति की ओर से कहा गया कि यदि 10 दिनों के भीतर मांगों को लेकर ठोस पहल नहीं की गई तो ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति के नेतृत्व में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूपसिंह बैस सहित महेंद्र पचौरी, शमीम सिद्दीकी, सुखचंद उईके, अनिल सोनी, डॉ. अमर बिसेन, राणा जी, अधिवक्ता निखिल गौतम, अधिवक्ता अजय बिसेन, सूरज वादगुनेर, राहुल सिंह बैस, रामसिंह भाटिया, शब्बीर पटेल, आदित्य पटले, जयकृष्ण ढिंगरू, धर्मेंद्र बोपचे, कुलदीप पटले, फैयाज अंसारी, जम्मू खान, राजा नगपुरे सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल स्थगित

सरकार के आश्वासन के बाद टला 28 से 30 सितंबर का आंदोलन, पांच दिन वर्किंग डे समेत अन्य मांगों पर बनेगी कमेटी, 10 से 15 दिन में निर्णय का भरोसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिन वर्किंग डे लागू करने, बैंकिंग क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। सरकार और बैंक यूनियनों के बीच 27 सितंबर की रात हुई बैठक के बाद हड़ताल स्थगित कर दिया है। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव एल.बी. सुलाखे ने पद्मेश न्यूज़ से अनौपचारिक चर्चा में बताया कि बैंक कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन वर्किंग डे लागू करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से आवाज उठा रहे थे। इन्हीं मांगों को लेकर 28 सितंबर से तीन दिवसीय कामबंद हड़ताल का निर्णय लिया गया था। संगठन द्वारा अपनी मांगों को सरकार और संबंधित स्तर पर लगातार रखा जा रहा था। सुलाखे के अनुसार 27 सितंबर की रात करीब 9.30 बजे सरकार और यूनियन के बीच बैठक हुई। बैठक में बैंक कर्मचारियों की मांगों पर सरकार की ओर से आगे काम करने और इस विषय में एक कमेटी गठित किए जाने की बात कही गई। बताया गया कि यह कमेटी आगामी 10 से 15 दिनों के भीतर सप्ताह में पांच दिन वर्किंग डे लागू करने सहित संबंधित मांग पर विचार कर निर्णय की दिशा में आगे बढ़ेगी। सरकार और यूनियन के बीच हुई चर्चा के बाद बैंक कर्मचारियों ने तत्काल प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने का फैसला किया। इसके चलते 28, 29 और 30 सितंबर को प्रस्तावित बैंक हड़ताल फिलहाल नहीं होगी और बैंकिंग कामकाज सामान्य रूप से संचालित होंगे। हालांकि बैंक यूनियन ने यह स्पष्ट किया है कि

आंदोलन को पूरी तरह समाप्त नहीं किया गया है। एल.बी. सुलाखे ने कहा कि हड़ताल केवल स्थगित की गई है। यदि सरकार की ओर से गठित कमेटी की प्रक्रिया के बाद बैंक कर्मचारियों की मांगों पर अपेक्षित निर्णय नहीं आता है या निर्णय संगठन की मांगों के अनुरूप नहीं होता है, तो यूनियन दोबारा हड़ताल का रास्ता अपना सकती है। बैंक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में सप्ताह में पांच दिन कार्य दिवस लागू करना और बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण पर रोक लगाना शामिल है। पांच दिन वर्किंग डे को लेकर बैंक संगठनों का कहना है कि इस मांग को लेकर लंबे समय से सरकार के समक्ष बात रखी जा रही है। अब कमेटी गठित किए जाने के बाद बैंक कर्मचारियों की नजर उसके निर्णय पर टिकी है। फिलहाल सरकार और बैंक यूनियनों के बीच बनी सहमति के बाद तीन दिन तक चलने वाली प्रस्तावित हड़ताल टल गई है, लेकिन बैंक कर्मचारियों की मांगों पर अगले 10 से 15 दिनों में क्या निर्णय सामने आता है, इसी पर आगे की आंदोलन की दिशा तय होने की बात संगठन की ओर से कही गई है।

मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय में पेशी के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा पुलिस ने महिला से मारपीट, छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी गंगाराम पिता मंगल सिंह उइके 40 वर्ष ग्राम कोचेवाड़ा थाना लामता को निवासी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार परसवाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में आरोपी गंगाराम की बुआ की बेटी रहती है जो रिश्ते में उसकी बहन लगती है। इसी रिश्तेदारी के चलते गंगाराम का वहां आना-जाना लगा रहता था। बताया गया कि 19 सितंबर को गंगाराम अपनी बुआ की बेटी के गांव आया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।विवाद के दौरान गंगाराम पर महिला के साथ गाली-गलौज करने, मारपीट करने तथा अश्लील हरकत और छेड़छाड़ करने का आरोप है। घटना के बाद महिला द्वारा परसवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया था।प्रकरण दर्ज होने के बाद से आरोपी गंगाराम फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 28 सितंबर को परसवाड़ा पुलिस ने आरोपी गंगाराम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे बैहर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेज दिया गया।पुलिस द्वारा मामले की आगे की विवेचना की जा रही है।

रसोइया बहनों के अनिश्चितकालीन धरना को अनुभा मुंजारे ने दिया समर्थन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली महिला स्व-सहायता समूहों और रसोइया बहनों की समस्याएं अब सड़क पर आ गई हैं। करीब चार महीने से मानदेय नहीं मिलने और सांझा चूल्हा योजना के तहत पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगाते हुए जिलेभर की सैकड़ों रसोइया बहनों ने प्रदेश संगठन के आह्वान पर स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। आंदोलनकारी महिलाओं का कहना है कि लंबे समय से आवेदन, निवेदन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी समस्याएं अधिकारियों तक पहुंचाई गईं, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। रसोइया बहनों का कहना है कि एक तरफ उनका कई महीनों का मानदेय लंबित है, वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए भोजन तैयार करने के लिए मिलने वाले राशन में भी लगातार कमी की जा रही है। ऐसे में सीमित संसाधनों के बीच स्कूलों में निर्धारित मापदंड के अनुसार भोजन तैयार करना मुश्किल हो रहा है। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाने पर उन पर विभागीय स्तर से दबाव बनाने और डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी समस्या के चलते रसोइया बहनों ने पहले 15 सितंबर से अपने-अपने स्तर पर स्कूलों में भोजन बनाना बंद किया और बाद में प्रदेश संगठन के आह्वान पर जिला मुख्यालय पहुंचकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया। इधर 28 सितंबर को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को रसोइया बहनों के अनिश्चितकालीन धरने की जानकारी मिली तो वह दोपहर करीब 3 बजे जनपद

पंचायत कार्यालय के सामने धरना स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने आंदोलनरत रसोइया बहनों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी और उनके आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि वे उनकी मांगों को लेकर विभाग और सरकार के समक्ष उनका पक्ष रखेंगी तथा जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास किया जाएगा। विधायक के सामने रसोइया बहनों ने भी अपनी पीड़ा रखते हुए कहा कि वे लंबे समय से मानदेय और खाद्यान्न की समस्या से जूझ रही हैं तथा अब मांगें पूरी होने तक आंदोलन समाप्त नहीं करेंगी। रसोइया बहनों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक उनका चार महीने का लंबित मानदेय जारी नहीं किया जाता और खाद्यान्न सहित उनकी अन्य समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। महिलाओं का कहना है कि वे वर्षों से सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने का काम कर रही हैं, लेकिन समय पर मानदेय नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अब उनकी नजर विभाग और सरकार की ओर है कि उनकी मांगों पर कब तक निर्णय लिया जाता है।

खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव आज

महेश कावरे और धनाराम पगरवार के बीच सीधा मुकाबला, तैयारी पुरी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत रिक्त पदों को भरने के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उपचुनावों की घोषणा एवं निर्वाचन की प्रक्रिया की अधिसूचना गत दिवस जारी की गई थी। जिसके बाद गत 8 सितंबर से निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के साथ प्रारंभ हुई थी। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपुडी में सरपंच पद एवं ग्राम पंचायत पिपरिया छि., रमपुरी, मोहगांव बोरी, निलजी में पंच पद के रिक्त पद को भरने के लिए 15 सितंबर तक नामांकन फार्म जमा किये गये। वहीं अंतिम तिथि 15 सितंबर तक ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवारों के द्वारा अपने नामांकन फार्म जमा किये गये थे एवं ग्राम पंचायत पिपरिया छि. के वार्ड नंबर 5 में पंच पद के लिए सिर्फ एक नामांकन फार्म जमा हुआ था एवं अन्य तीन पंचायतों में वार्ड पंच के रिक्त पद हेतु किसी ने भी नामांकन फार्म जमा नही किये है। इस तरह से पिपरिया छि. में पंच पद के लिए एक ही फार्म आने पर पंच निर्विरोध चुन लिया गया है और खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवार होने के कारण उपचुनाव करवाये जा रहे है। ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में रिक्त सरपंच पद को भरने के लिए मंगलवार को उपचुनाव का आयोजन किया जा रहा है। उपचुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान संपन्न करवाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियों पूरी कर ली है और मतदान दल भी मतदान केन्द्र में पहुंच चुका है। 29 सितंबर को खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव हेतु दो मतदान केन्द्र बनाये गये है जहां प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक 1178 मतदाता मतदान करेगें, जिसके साथ ही दो प्रत्याक्षी महेश कावरे, धनाराम पगरवार के भाग्य का फैसला ईव्हीएम मशीन में कैद हो जायेगा और 3 अक्टूबर को परिणाम घोषित किया जायेगा।

1178 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

इस उपचुनाव में सरपंच पद के लिए दो प्रमुख प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। मैदान में उतरे प्रत्याशी महेश कावरे को चुनाव चिन्ह गिलास आवंटित हुआ है। जबकि उनके प्रतिद्वंदी प्रत्याशी धनाराम पगरवार चश्मा चुनाव चिन्ह के साथ चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही प्रत्याशी और उनके समर्थक अंतिम समय तक मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरा जोर लगाते नजर आये। ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में कुल 1178 पंजीकृत मतदाता हैं जिसमें 601 पुरूष एवं 577 महिला मतदाता है, जो आज उम्मीदवारों के राजनीतिक भाग्य का फैसला करेंगे। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल 2 मतदान केंद्र बनाये गये है। पोलिंग बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गये है ताकि मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। वहीं प्रशासन की ओर से मतदान दलों को सामग्री के साथ पोलिंग बूथों पर तैनात कर दिया गया है।

शांतिपूर्वक संपन्न करवाये जायेगें उपचुनाव - चंदनसिंह

दूरभाष पर चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी चंदनसिंह मर्सकोले ने बताया कि लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपड़ी में सरपंच पद के लिए उपचुनाव 29 सितंबर को संपन्न होगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है और सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवार है महेश कावरे एवं धनाराम पगरवार। श्री मर्सकोले ने बताया कि खुरपुड़ी पंचायत में रिक्त सरपंच पद के अलावा 4 पंचायत में जिस वार्ड में रिक्त पंच पद थे उक्त स्थानों पर भी उपचुनाव होना था। लेकिन पिपरिया छि. के वार्ड नं. 5 में पंच पद के लिए एक ही नामांकन फार्म आने पर उसे निर्विरोध चुन लिया गया है एवं 3 पंचायत से नामांकन निरंक रहा है जहां चुनाव नही होगें। साथ ही यह भी बताया कि 29 सितंबर को प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान किया जायेगा एवं 3 अक्टूबर को मतगणना कर परिणाम घोषित किया जायेगा और खुरपुड़ी में आज उपचुनाव शांतिपूर्वक संपन्न करवाये जायेगें।

यूपीआई पर शुल्क लगाना डिजिटल इंडिया पर डाका है - मनीष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2026 से 2000 रूपये से अधिक के यूपीआई मर्चेंट भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर और उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का जो प्रस्ताव लगाया गया है। उसे आम जनता, छोटे व्यापारियों और पिछड़ा वर्ग के हितों पर सीधे हमला करार दिया है। आगे श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकार ने पहले नोटबंदी के नाम पर लोगों को कैशलेस और यूपीआई की ओर धकेला, करोड़ों गरीब, किसान, मजदूर और छोटे दुकानदारों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया। आज जब देश के 96 प्रतिशत लोग यूपीआई अपना चुके है तो अब उसी वसूली का जाल बिछाया जा रहा है, सरकार की इस फैसले की कड़ी निंदा करते है। श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकार कह रही है कि ग्राहक से शुल्क नहीं लिया जायेगा, मर्चेंट से लिया जायेगा। यह सफेद झूठ है, बालाघाट जिले का छोटा किराना व्यापारी, सब्जी वाला, नाई, पान ठेला वाला जब 0.4 प्रतिशत और जीएसटी का बोझ नही उठा पायेगा, तो वह अंतत: ग्राहक से ही वसूलेगा, इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। इस तरह से अगर कोई गरीब परिवार 10,000 रूपये का सामान यूपीआई से खरीदता है तो दुकानदार को 40 रूपये एमडीआर और 7.20 रूपये जीएसटी, कुल 47.20 रूपये का उन्हे नुकसान होगा। छोटे मार्जिन पर धंधा करने वाला व्यापारी यह नुकसान क्यों सहेगा? और सरकार बडे कार्पोरेट मित्रों के इशारे पर फोन पेय, गूगल पेय जैसी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबों की जेब पर डाका डाल रही है। इसलिए सरकार से मांग है कि यूपीआई जैसे जन-जन के भुगतान माध्यम को पूरी तरह से शुल्क मुक्त रखा जाये, 2000 रूपये से ऊपर के भुगतान पर एमडीआर लगाने का तुगलकी फरमान तत्काल वापस ले, छोटे व्यापारियों के 1 लाख तक के कलेक्शन वाले लॉलीपाप से काम नही चलेगा, सभी छोटे, मध्यम व्यापारियों को स्थाई छूट दी जाये। उक्त मांगे पूरी नही होने पर पिछड़ा वर्ग कांग्रेस इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार सत्यम ने किया ईव्हीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार सत्यम ने सोमवार, 28 सितंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित ईव्हीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सत्यम ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक सुबोध श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर शिक्षकों का भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आव्हान में बड़ी संख्या में अध्यापक एवं शिक्षकगण हुए भोपाल के लिए रवाना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। टीईटी, सेवा गणना और ई-अटेंडेस सहित अपनी प्रमुख लंबित मांगों को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने अब आर-पार की लड़ाई शुरू कर दिये है। वहीं 28 सितंबर से भोपाल में तीन सूत्रीय जायज मांगों को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के बैनर तले बड़ी संख्या में लालबर्रा के अध्यापक एवं शिक्षकगणों का काफिला भोपाल के लिए रवाना हुआ है। वहीं प्रदेशभर के अध्यापक एवं शिक्षकगण भोपाल के नीलम पार्क में अपने जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है जिसमें शामिल होकर सरकार से टीईटी परीक्षा निरस्त करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे है। चर्चा में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि टीईटी परीक्षा निरस्त करने सहित अन्य मांगों को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे है और कई बार शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है। लेकिन सरकार हमारी लंबित मांगों को पूरा नही कर रही है जिससे अध्यापक एवं शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रांतीय आव्हान में पात्रता परीक्षा निरस्त करने, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने, ई-अटेंडेंस जैसी अव्यहारिक व्यवस्था को रद्द करने की मांग को लेकर भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 28 सितंबर से किया जा रहा है। इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लालबर्रा के अध्यापक एवं शिक्षकगण भोपाल जा रहे है। आगे बताया कि लंबित मांगों को लेकर इस बार आरपार की लड़ाई सरकार से लड़ी जा रही है और सरकार से मांग है कि शिक्षकों को पात्रता परीक्षा से मुक्त किये जाये, ई-अटेंडेंस से जुड़ी समस्याओं का निराकरण, सेवा गणना सहित अन्य मांगों को पूरा किये जाने की मांग की जा रही है और उक्त मांगे जब तक पूरी नही होगी प्रांतीय आव्हान पर आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। इसलिए सरकार से मांग है कि अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की लंबित मांगों को जल्द पूरा करेगें।

कटंगझरी के शास. उमावि. ने निकाली जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कटंगझरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश राज्य ईको क्लब के तत्वाधान में सोमवार को एक दिवसीय पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली विद्यालय के प्राचार्य संजयकुमार मेश्राम की अध्यक्षता में गरिमामय माहौल में प्रारंभ हुई। विद्यालय परिसर से शुरू होकर जागरूकता रैली ने ग्राम कटंगझरी के प्रमुख मार्गों एवं विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने नारों के माध्यम से ग्रामीणजनों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं विद्यार्थियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की ताकि क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण बना रहे और सभी को शुध्द ऑक्सीजन प्राप्त हो सके। चर्चा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगझरी के प्राचार्य संजयकुमार मेश्राम ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य ईको क्लब के निर्देशानुसार पर्यावरण सुरक्षा के प्रति सजगता फैलाने के उद्देश्य से इस रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को पर्यावरण प्रदूषण से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया गया तथा इससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगझरी के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बम्हनी के आंगनवाड़ी केन्द्र में किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 2 में गत दिवस सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच बीआर ढबाले के मुख्य आतिथ्य, जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर, राजेश मानेश्वर, देवराम, गजेन्द्र दौने, श्रीमती पुनम भलावी, वच्छला ढबाले, प्रमिला गजामे, सविता पंचबुध्दे, पूनम नेताम के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केन्द्र परिसर में पौधों का रोपण किया गया। साथ ही ब'चों एवं ग्रामीणजनों की स्वास्थ्य की जांच की गई और स्व'छता जागरूकता पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आशा कार्यकर्ता श्रीमती सुनिता तितरमारे, कविता ढबाले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना सोनी, श्रीमती अनुसूईया जम्हारे, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती गौरूला ढबाले, पिंकी डोंगरे का आंगन मिलन सेवा कार्यक्रत के तहत सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंती के संदेश का वाचन किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ब'चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की गई। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन व नौनिहाल बच्चें उपस्थित रहे।

ददिया में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 में गत दिवस आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे के मार्गदर्शन एवं सरपंच श्रीमती ऋषी पंक्षी भलावी, जनपद सदस्य श्रीमती केशरबाई भोयर, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला लांजेवार, श्रीमती बिंदेश्वरी हरिनखेड़े, श्रीमती लक्ष्मी बोपचे, श्रीमती लक्ष्मी लुटे की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर थीम 'मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण संवाद' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा के द्वारा उपस्थित महिलाओं को गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर अवधि संबंधित परामर्श, संतुलित आहार, एनीमिया, स्तनपान एवं शिशु देखभाल और पोषण के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर लाभ कैसे लेना है उसके बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केन्द्र में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प भी लिया गया। इस आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गणेशा बोपचे, ममता महोबे, दीपकुमारी बाहेश्वर, सहायिका फूलबती नागेश्वर, गंगा नामूत`, काजल महोबे सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एकोड़ी में सरपंच पद के उपचुनाव के लिए मतदान दल रवाना, मतदान आज

चार महिला प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला, २४०५ मतदाता करेंगे ईवीएम से मतदान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी में सरपंच पद के लिए उपचुनाव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरपंच पद के लिए २९ सितंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन के द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसी क्रम में २८ सितंबर को नगर के तहसील कार्यालय स्थित सभा कक्ष में मतदान दलों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के बाद मतदान सामग्री का वितरण कर मतदान दलों को संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया।

चार महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत एकोड़ी में पूर्व सरपंच के विरुद्ध कूटरचित दस्तावेज तैयार कर ग्राम के एक पंच को पंचायत द्वारा पूर्व में नल जल योजना के लिए आवंटित भूमि का पट्टा दिलाने के आरोपों के संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्रकरण की जांच की गई थी। जांच के उपरांत सरपंच के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा ४० के तहत कार्यवाही करते हुए उन्हें पद से पृथक कर दिया गया था। इसके बाद पंचायत का संचालन स्थानापन्न सरपंच के माध्यम से किया जा रहा था। सरपंच पद रिक्त होने के बाद मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अब उपचुनाव कराया जा रहा है। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सरपंच पद के लिए चार महिला प्रत्याशियों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए हैं। अब चुनाव मैदान में श्रीमती रेखा धर्मदास मेश्राम, श्रीमती संगीता राकेश मेश्राम, श्रीमती सरिता कैलाश मेश्राम एवं श्रीमती मीराबाई मंगलदास मेश्राम हैं। चारों प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा और इनके राजनीतिक भविष्य का फैसला ग्राम के मतदाता २९ सितंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग कर करेंगे।

चार मतदान केंद, पांच दल किए गए तैयार

एकोड़ी में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए कुल चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला,आंगनबाड़ी एवं ग्राम पंचायत भवन में मतदान केंद्र क्रमांक १७६,१७७,१७८ एवं १७९ निर्धारित किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर कानून व्यवस्था एवं मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए कुल पांच मतदान दल तैयार किए गए हैं। इनमें चार दलों को चारों मतदान केंद्रों पर तैनात किया गया है जबकि एक दल को रिजर्व में रखा गया है। प्रत्येक मतदान दल में एक पीठासीन अधिकारी, तीन मतदान अधिकारी एवं एक पुलिसकर्मी सहित कुल पांच सदस्य शामिल हैं। सभी दलों को २८ सितंबर को तहसील कार्यालय के सभा कक्ष में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी देने के साथ ही मशीनों की जांच की गई। इसके बाद मतदान के लिए आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया और मतदान दलों को उनके निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया।

२४०५ मतदाता करेंगे मतदान

ग्राम पंचायत एकोड़ी में सरपंच पद के लिए २९ सितंबर की सुबह ७ बजे से दोपहर ३ बजे तक मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन में ग्राम के कुल २४०५ मतदाता ईवीएम के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतगणना ३ अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इसी दिन मतगणना पूर्ण होने के बाद सरपंच पद के उपचुनाव के परिणाम की घोषणा की जाएगी। अब एकोड़ी के मतदाताओं की नजर २९ सितंबर को होने वाले मतदान और ३ अक्टूबर को आने वाले चुनाव परिणाम पर टिकी है।

इनका कहना है

एकोड़ी में सरपंच उपचुनाव की तैयारी पूरी हो गई है मतदान दल भी मतदान केंद्र के लिए रवाना कर दिया गया है। २९ सितम्बर को मतदान और ३ अक्टूबर को मतगणना हैं। स्थानापन्न सरपंच के ऊपर जो पंचायत की राशि निकाल के आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप लगे थे उसमें जांच जारी है अभी कोई कार्यवाही नहीं हुई हैं निर्वाचन में चारों प्रत्याशी यथावत है।

अनिल मेश्राम
खंड कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत
वारासिवनी

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी खैरलांजी नर्सरी के कुछ ही दूरी पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलाँजी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रिफर किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पिता उरकुड़ राऊत निवासी सालेटेका मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान खैरलांजी नर्सरी के पास अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में विजय के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायल युवक को उपचार के लिए १०८ की मदत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलाँजी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार बताया जा रहा है। मामले में पुलिस के द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

नगर पालिका ने जागरूकता रैली निकाल जल और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा सेवा संकल्प अभियान २०२६ के तहत २८ सितंबर को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पैदल रैली निकाली गई। नगर पालिका अधिकारी कर्मचारियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर नगर के प्रमुख चौक चौराहों का भ्रमण किया। रैली नगर पालिका कार्यालय से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: नगर पालिका में समाप्त हुई। विदित हो कि सेवा संकल्प अभियान १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण,जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जनभागीदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

मातारानी के आशीर्वाद से मंदिर के जीर्णाद्धार का जल्द ही होगा श्रीगणेश -प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली में गणेश उत्सव के समापन पर आयोजित एस के ग्रुप गोंदिया की संगीतटीम के प्रस्तुति में अपार भक्तो के बीच पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये। ग्राम में प्रसिध्द कलाकारो की प्रस्तुति के दौरान भक्तो की भारी भीड भी भजनो का आंनद लेते हुये नजर आयी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि हमने इस क्षेत्र के विकास में कोई कमी नही रखी है। अभी डोंगरमाली से घोटी पूल तक १२ किमी डबल सड़क का कार्य भी ८० प्रतिशत पूर्ण हो चूका है। और आप सभी जल्द घोटी से धापेवाडा महाराष्ट्र पूल पर भी आवागमन होते देखेंगे। जिससे हमारा व्यापारिक, शैक्षिक व सांस्कृतिक संबंध महाराष्ट्र राज्य से सीधे तौर पर जुड जायेगा। ग्रामीणो की माता मंदिर की जोर्णोद्वार की मांग पर पूर्व मंत्री ने कहा की पहले भी हमने ग्राम में हनुमान मंदिर का जीर्णोद्वार कार्य पूर्ण करा दिया है। अब माता मंदिर के लिये प्रतीत हो रहा है की मातारानी ही संकेत दे रही है। अगर आज चिंतन मनन हुआ है तो इस कार्य का श्रीगणेश भी ग्रामीणजन जल्द देखेंगे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के संकेत पर जबरदस्त मेगा हिट फिल्म हनुमान अंश के प्रसिध्द भजन काहे जिद कर रही,ऐसे वर को लाने, जाके शीश पे गंगा और गले में डारे फिर रहे सांप की प्रस्तुति दी तो पुरा माहौल जबरदस्त जयकारो से गूंज उठा। इस दौरान महेश लिल्हारे, गणेश साहू,देवीचंद बोपचे, गणेश भगत, शैलेन्द्र बावनकर, रोहित सिंह बाटे, राजेश बावनकर, सुभाष पारधी, मिलिंद नगपुरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गुजरात से उत्तरप्रदेश तक निकली सेवा संकल्प यात्रा का वारासिवनी में भाजपा परिवार ने किया स्वागत-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की २५ वर्षो के जनसेवा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर गुजरात से निकली वाराणसी उत्तरप्रदेश लगभग १५ सौ किलोमीटर की सेवा संकल्प यात्रा वारासिवनी पहुंची। यात्रा का स्वागत गाजे बाजे, आतिशबाजी और पुष्प वर्षा के साथ किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक गौरव सिंह पारधी, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीमती निर्मला पटले, किरण शर्मा, निरंजन बिसेन, शैलेन्द्र सेठी, सौरभ टेबू पटेल, अमित येरपूडे, बालू जैवार, विनय सुराना, संदीप मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, वेदप्रकाश पटेल, विक्की एडे, सोनू जैन, राजू गोयल,प्रवीण खरोले, मिथलेश बुरडे, शंशाक डोंगरे, संतोष आडे ,प्रबल जायसवाल ने पूरी टीम के साथ स्वागत किया। नगर की प्रसिद्व गौशाला में गौपूजन के साथ शुरूवात हुये दो दिवसीय कार्यक्रम में रात्रि में ही भगवान परशुराम चौक, आंबेडकर चौक में कार्यक्रम के पश्चात जय स्तंभ चौक पर दीप प्रज्जलन कर यात्रा के संदेश को प्रचारित किया गया। रात्रि में ही भाजपा कार्यालय में गुजरात की युवा टीम का जोश के साथ स्वागत भी किया गया। बाईक रैली के साथ भाजपा के काफिले ने पुरे नगर को भाजपामय बनाकर सभी को प्रभावित भी किया। तत्पश्चात यह यात्रा बालाघाट गंतव्य की ओर निकली गयी। यात्रा का वारा व कायदी में भी भाजपा परिवार ने स्वागत कर अपने उत्साह का प्रदर्शन किया। बाईक रैली को देखने के लिये सड़क के दोनो तरफ निवासीयों की कतार भी देखी गयी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की मोदी के संदेश के साथ हमे २५ वर्षो के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के कार्यो को जन जन तक प्राथमिकता के साथ पहुंचाना है। हम गौराविंत भी है की मोदी जी के जन्म स्थान वडनगर से शुरू होकर उनके संसदीय कर्मभूमी वाराणसी तक की इस यात्रा का क्षेत्र में हमे स्वागत करने का अवसर मिला है।

महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर विद्यार्थियों ने सौंपा ज्ञापन

सात सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग, नियमित कक्षाएं और पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की उठाई आवाज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं और अनियमितताओं के निराकरण की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने २८ सितंबर को महाविद्यालय प्राचार्य एस एस गेड़ाम को सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में अध्ययन अध्यापन व्यवस्था सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने और समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग की। विद्यार्थियों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि महाविद्यालय में पिछले कुछ समय से विभिन्न प्रकार की समस्याएं सामने आ रही हैं, जिनकी ओर प्रबंधन के द्वारा अपेक्षित गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जैसे महाविद्यालय में सुचारू रूप से कक्षाएं संचालित नहीं होना, महाविद्यालय में छात्रों को फेल करवाने की धमकी देना, महाविद्यालय के आसपास २०० मीटर के अंतराल में सामाजिक तत्वों का होना, महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाएं ना होना,महाविद्यालय के कर्मचारियों के द्वारा छात्राओं को सही दिशा ना देना,विधि भवन को एलएलबी के छात्रों के लिए ही रखना, पुस्तकालय में छात्र छात्राओं के लिए पर्याप्त पुस्तके उपलब्ध नहीं है, ऐसे में महाविद्यालय में शिक्षा अध्ययन करने आ रहे विद्यार्थियों को कई प्रकार की दिक्कत हो रही है। जिसके लिए कई बार महाविद्यालय प्रबंधन से मांग की जा चुकी है ,परंतु वर्तमान तक प्रबंधन के द्वारा उक्त विषय पर गंभीरता से कोई ध्यान नहीं दिया गया है जिसका परिणाम है कि स्थिति यथावत बनी हुई है। ऐसे में महाविद्यालय में इस प्रकार की अव्यवस्था विद्यार्थियों के भविष्य पर भी असर डाल रही है। हमारी मांग है कि महाविद्यालय प्रबंधन जल्द इस विषय पर गंभीरता से संज्ञान लेकर उक्त समस्याओं का निराकरण करें। विद्यार्थियों ने बताया कि यह हमारे क्षेत्र का एक बड़ा महाविद्यालय है जहां हम दूर.दराज से शिक्षा अध्ययन करने के लिए रोजाना सैकड़ो विद्यार्थी आते हैं। परंतु यहां आने पर हमें काफी दिक्कत होती है हमारी कक्षाएं बराबर से नहीं लग पाती है हमें हमारे विषय की पुस्तक में उपलब्ध नहीं हो पा रही है। एक से दो पुस्तक हमें प्राप्त होती है,हम बाजार से खरीदने में भी सक्षम नहीं है यदि होते तो प्राइवेट कॉलेज में पढ़ते। परिसर में भी असामाजिक तत्व घूमते रहते हैं वही मूलभूत सुविधा भी पर्याप्त रूप से नहीं है कभी नल बंद हो जाता है तो कभी शीतल पेयजल के लिए लगाई गई मशीन बंद हो जाती है । कमरों में बराबर पंख नहीं लगे होते हैं और जो लगे हैं वह चालू भी नहीं होते हैं ऐसी कई प्रकार के समस्या रोजाना हमें आती है। जिसका प्रभाव हमारे परीक्षा परिणाम पर पड़ता है जबकि महाविद्यालय प्रबंधन को जिम्मेदार रूप से सभी व्यवस्थाओं पर संज्ञान लेकर दुरुस्त करना चाहिए ताकि विद्यार्थियों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। आज हमारे द्वारा प्राचार्य को ज्ञापन दिया गया है और हमारी मांग है कि जल्द ज्ञापन में उल्लेखित सातों बिंदुओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा महाविद्यालय में नियमित कक्षाओं, पर्याप्त पुस्तकें, स्वच्छ पेयजल, पंखे एवं सुरक्षा सहित सभी मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थित कर विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर वसीम अली, नितेश उपवंशी, सलोनी सोनकुसरे ,तुलसी बुरडे ,प्रफुल्ल गोटेकर ,तुषार हांदेश ,आदिल शेख ,अंकेश ,अनमोल बिरनवार सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प और समर्पण अभियान अंतर्गत नगर में कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस १७ सितंबर के बाद सेवा संकल्प एवं समर्पण अभियान अंतर्गत एक माह का सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत शासन के निर्देशानुसार नगर के वार्ड नं.८ चंदोरी के आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा की देवी माता सरस्वती के छायाचित्र का पूजन अर्चन कर माल्यार्पण किया गया। तदपश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर वार्ड की मातृशक्ति सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं छोटे बच्चों की कार्यक्रम में उपस्थिति रही। साथ ही आंगनबाडी केंद्र के परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। जिसमें फलदार वृक्ष लगाया गया,साथ ही पोषण आहार की जानकारी समस्त माताओं एवं बच्चों को दी गई। इस कार्यक्रम के अवसर पर वार्ड नं.८ के पार्षद धर्मेश जोशी ,भाजपा नेत्री श्रीमती सीमा मिश्रा,श्रीमती पूनम झा,श्रीमती इमला पारधी, श्रीमती मंजू परिहार,कु.दीक्षा रजक,श्रीमती लता परिहार, श्रीमती रुक्मिणी रहांगडाले, श्रीमती रोहिणी जांगजुडे,श्रीमती प्रीती पंवार पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग,आंगनबाडी कार्यकर्ता प्रतिभा पूरी, श्रीमती रेखा हरिनखेडे, सरिता पारधी, सहायिका सुधा पिठोरिया आदि महिलाओं के साथ दर्जनों बच्चों की उपस्थिति कार्यक्रम के दौरान रही।

क्या साजिशन हत्या का शिकार बना संत प्रेमानंद का शिष्य?

कृष्ण की नगरी वृंदावन में चर्चित संत प्रेमानंद के युवा शिष्य दीपक लोधी की कथित सुसाइड की गुत्थी उलझती जा रही है. दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण ने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे बाराह घाट मार्ग स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम की छत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद दीपक को आनन-फानन में एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था. दीपक ने खुदकुशी क्यों कि इसकी वजह तो अभी तक सामने नहीं आई है. लेकिन इस मामले में झकझोरने वाला सीसीटीवी वीडियो सामने आया है.वहीं दीपक के प्राइवेट पार्ट में चोट बहता खून और खून से सना अंगवस्त्र कमरे में खून सना ग्राइंडर वारदात के पीछे छिपे किसी गहरे षड्यंत्र या रहस्य का संकेत दे रहे हैं। यही नहीं घटना के बाद मृतक शिष्य के परिजनों ने दो साल से कथित दीक्षा के बाद मृतक को परिजनों से नहीं मिलने देने का संगीन आरोप लगाया है इस सब के चलते इस शिष्य की मौत का मामला काफी पेचीदा हो गया है। आपको बता दें कि वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के 25 वर्षीय शिष्य दीपक लोधी (रसिक दुलारी शरण) की गुरु कृपा कुंज आश्रम की चौथी मंजिल से गिरने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।25 सितंबर 2026 शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे वृंदावन के बारह घाट क्षेत्र स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम में यह वारदात घटित हुई है। मृतक दीपक लोधी मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर का रहने वाला था, जो दो साल पहले वृंदावन आया था और दीक्षा लेने के बाद अपना नाम रसिक दुलारी शरण रख लिया था। घटना के वक्त शिष्य के गुप्तांग पर गंभीर चोट के निशान और खून बहने की बात सामने आई है। कमरे से एक खून से सना ग्राइंडर भी बरामद हुआ है। आपको बता दें प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक पटेल उर्फ रसिक दुलारीशरण की मौत की गुत्थी उलझती जा रही है. एक तरफ जहां पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है. वहीं घटनास्थल से बरामद चीजें मामले को और उलझा रही हैं. शिष्य दीपक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ है, घर में ग्राइंडर पर खून के निशान मिले हैं और एक डायरी मिली है. साथ ही जिस सीसीटीवी फुटेज में दीपक चौथी मंजिल से कूदता

भवन के रूम नंबर-21 में
है.प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसि
सिर पर, चेहरे पर, हाथ-पांव अ
को सीसीटीवी फुटेज में सिर्फ ि
कितने शिष्य थे और मृतक रसि
ग्राइंडर कितने समय से उनके प
पूछताछ की गई है.शुरुआती जांच
है. जितने भी चीज मिली हैं वह

पति-पत्नी विवाद में बच्चों और पॉक्सो कानून का दुरुपयोग

वैवाहिक विवादों और बच्चों की कस्टडी के मुकदमों में पॉक्सो कानून के कथित दुरुपयोग को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2026 में सख्त दिशानिर्देश

न्यायालय ने कहा है कि इस गंभीर कानून का इस्तेमाल दबाव बनाने या कानूनी बढ़त हासिल करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक और बच्चों की कस्टडी से जुड़े विवादों में पॉक्सो कानून के कथित दुरुपयोग को रोकने के लिए गुरुवार को गाइडलांस जारी किए हैं। ऐसे मामले में कोर्ट ने कहा कि नाबालिग से यौन अपराध के मामले में पॉक्सो एफआइआर दर्ज होने मात्र से आरोपी को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। पुलिस को गिरफ्तारी से पहले कानून में निर्धारित शर्तों को पूरा करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य दिशानिर्देश और नियम-वैवाहिक कलह से जुड़े पॉक्सो मामलों में पुलिस अब तुरंत या रूटीन गिरफ्तारी नहीं कर सकेगी। गिरफ्तारी से पहले किसी बाल मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक द्वारा बच्चे का मूल्यांकन करना अनिवार्य किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे पर कोई दबाव या ट्यूटरिंग सिखाया पढ़ाया जाना तो नहीं की गई है। ये सुरक्षा उपाय तभी लागू होंगे जब पॉक्सो का आरोप उसी घर में रहने वाले किसी माता-पिता या परिजन पर हो और उनके बीच पहले से वैवाहिक विवाद चल रहा हो। आपको बता दें कि वैवाहिक विवादों और कस्टडी की जंग में बच्चों का इस्तेमाल मोहरे की तरह किए जाने का चलन भारतीय समाज और न्याय प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर सामने आयी है। पति-पत्नी के आपसी मनमुटाव, अहंकार और बदले की भावना जब इस सीमा तक बढ़ जाए कि अपने ही बच्चे के यौन शोषण का झूठा आरोप दूसरे पक्ष पर मड़ दिया जाए, तो यह न केवल कानून का घोर दुरुपयोग है, बल्कि बच्चे के मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ पर भी गहरा आघात है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी.विश्वनाथन की पीठ ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर बेहद गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायालय का यह ऐतिहासिक निर्णय बच्चों के अधिकार, न्याय व्यवस्था की साख और बेकसूर माता-पिता के सम्मान की रक्षा की दिशा में एक बेहद संतुलित और स्वागत योग्य कदम है। वैवाहिक विवादों में पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक कानूनी व्यवस्था में सुधार का प्रयास नहीं, बल्कि परिवार, समाज और न्याय व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस संवेदनशील पहलू को ध्यान में रखते हुए वैवाहिक विवादों से जुड़े पॉक्सो मामलों में गिरफ्तारी और जांच के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय निर्धारित किए हैं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक वैवाहिक विवाद से उत्पन्न मामले में पिता के विरुद्ध दर्ज पॉक्सो प्राथमिकी रद्द करते हुए देशभर के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जांच में आरोपों की पुष्टि नहीं हुई थी। अदालत ने बच्ची की कानूनी अभिरक्षा पिता के पास रहने तथा विशेषज्ञों की सहायता से पिता-पुत्री के संबंधों को पुन: स्थापित करने का निर्देश दिया। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है कि कानून का उद्देश्य न्याय दिलाना है, किसी व्यक्ति को प्रताड़ित करना नहीं। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया पॉक्सो अधिनियम अत्यंत महत्वपूर्ण कानून है। लेकिन जब इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत दुश्मनी, बदले की भावना या बच्चे की अभिरक्षा हासिल करने के साधन के रूप में किया जाता है, तब वास्तविक पीड़ितों के हितों को भी नुकसान पहुंचता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जहां माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद हो और बच्चे के साथ रहने वाले किसी अभिभावक अथवा परिवार के सदस्य पर बौन अपराध का आरोप लगाया गया हो, वहां पुलिस को गिरफ्तारी के मामले में विशेष सावधानी बरतनी होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के प्रावधानों का पालन आवश्यक होगा। सामान्यत: बच्चे का स्वतंत्र मूल्यांकन बाल मनोचिकित्सा अथवा नैदानिक मनोविज्ञान के विशेषज्ञ से कराया जाएगा। हालांकि, स्पष्ट साक्ष्य वाली असाधारण परिस्थितियों में जांच अधिकारी लिखित कारण दर्ज कर विशेषज्ञ मूल्यांकन के बिना भी आगे बढ़ सकता है। यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है है क्योंकि गिरफ्तारी अपने आप में सजा नहीं है। किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर आरोप लगना और उसका अपराध प्रमाणित होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। केवल प्राथमिकी दर्ज होने से किसी व्यक्ति को अपराधी मान लेना न्याय के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत है। विशेष रूप से बच्चों की अभिरक्षा से जुड़े मामलों में इसका महत्व और बढ़ जाता है। एक अभिभावक पर पॉक्सो का का आरोप लगते ही दूसरे पक्ष को कानूनी बढ़त मिल सकती है। आरोपित व्यक्ति को सामाजिक अपमान, मानसिक पीड़ा और लंबी अदालती प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है। यदि बाद में आरोप निराधार साबित हों, तब भी खोई हुई प्रतिष्ठा और टूटे हुए पारिवारिक संबंधों की भरपाई आसान नहीं होती। लेकिन इस पूरे विवाद में सबसे अधिक उपेक्षित पक्ष स्वयं बच्चा होता है। जिस उम्र में उसे माता-पिता का स्नेह, सुरक्षा और विश्वास मिलना चाहिए, उसी उम्र में उसे पुलिस, अदालत, पूछताछ और परस्पर विरोधी आरोपों का सामना करना पड़ता है। कई बार वह यह समझने की स्थिति में भी नहीं होता कि उसके आसपास आखिर हो क्या रहा है। ऐसे अनुभव उसके मन पर स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए न्यायालय द्वारा स्वतंत्र विशेषज्ञ मूल्यांकन की व्यवस्था अत्यंत प्रासंगिक है। बच्चे की बात बिना दबाव, भय अथवा किसी पक्ष के प्रभाव के सुनी जानी चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि उसे बार-बार पूछताछ और अनावश्यक मानसिक तनाव से न गुजरना पड़े। विशेषज्ञ की रिपोर्ट जांच में सहायक होगी, लेकिन अंतिम निर्णय अन्य उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाएगा। पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 में कुछ परिस्थितियों में झूठी शिकायत अथवा गलत जानकारी देने पर दंड का प्रावधान है। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की चिंता उचित है कि दंडात्मक कार्रवाई होने तक निर्दोष व्यक्ति को गंभीर क्षति पहुंच चुकी हो सकती है। इसलिए केवल बाद में दंड देने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, शुरुआती स्तर पर विवेकपूर्ण जांच और कानूनी सावधानियां भी आवश्यक हैं। इस निर्णय के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस अधिकारियों, बाल संरक्षण इकाइयों, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों और न्यायिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय जरूरी होगा। विशेषज्ञों की उपलब्धता, निष्पक्षता और बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किए बिना दिशा-निर्देशों का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। इसके साथ ही अधिवक्ताओं और पारिवारिक सलाहकारों की नैतिक जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। मुकदमा जीतने के लिए किसी पक्ष को बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए प्रेरित करना केवल पेशेवर मर्यादा का उबंधन नहीं, बल्कि एक बच्चे के भविष्य के साथ अन्याय भी है। परिवारों को समझना चाहिए कि अदालत में मिलने वाली कानूनी बढ़त बच्चे के मन में उत्पा असुरक्षा और भय की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय समाज को आत्ममंथन का अवसर देता है। वैवाहिक संबंध टूट सकते हैं, पति-पत्नी अलग हो सकते हैं, लेकिन माता-पिता होने की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। बच्चे को किसी एक अभिभावक की जीत या दूसरे की हार का साधन बनाना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। आवश्यकता ऐसे न्याय की है, जो जो वास्तविक अपराधी को दंडित करे, करे, निदर्दोष को को अनावश्यक प्रताड़ना से बचाए और सबसे बढ़कर मासूम बच्चे की गरिमा, सुरक्षा तथा भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। कानून की वास्तविक सफलता इसी संतुलन में निहित है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट का यह मील का पत्थर निर्णय वैवाहिक विवादों में पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाएगा और बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा करेगा।धारा 33 के तहत पॉक्सो स्पेशल कोर्ट में सीधे दाखिल शिकायतों में भी यही सुरक्षा उपाय लागू होंगे। अदालत को संज्ञान लेने और समन जारी करने से पहले विशेषज्ञ की सहायता लेनी होगी, सिवाय असाधारण परिस्थितियों के।

यहां ध्यान रहे कि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल पॉक्सो केस दर्ज होने से यह नहीं माना जा सकता कि आरोप सही हैं। कस्टडी या गार्जियनशिप से जुड़ी समानांतर कार्यवाही में अदालत को आरोपों की पहली नजर में वास्तविकता पर स्वतंत्र रूप से विचार करना होगा। ये सुरक्षा उपाय उन एफआईआर -आधारित जांच पर भी लागू होंगे जो फैसले की तारीख को लंबित हैं। साथ ही, ऐसी निजी शिकायतों पर भी लागू होंगे जिनमें अभी समन जारी नहीं किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी जिलों की जिला बाल संरक्षण इकाइयों को पोक्सो नियम, 2020 के तहत विशेषज्ञों के रजिस्टर को अपडेट करने का निर्देश दिया। रिमांड और जमानत पर सुनवाई करने वाली अदालतों को यह भी देखना होगा कि जांच अधिकारी ने इन सुरक्षा उपायों का पालन किया या नहीं। कोर्ट ने फैसले की प्रति सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजने का निर्देश दिया।

-मनोज कुमार अग्रवाल

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का

कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ? पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में

कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। दूसरा प्रश्न कश्मीर का है।

पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही

वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ

पर पड़ सकता है। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते सोमवार को मूंग में बाजार बड़त पर रहे। चना ऊपरी स्तरों से मजबूती लटक पर रही। खाद्य तेलों में सुस्ती बनी। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में कारोबारी सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में तेजी का दौर बना हुआ है। चने के बाद मूंग में लेवाली से बाजार चढ़ गये। चना ऊपरी स्तरों से मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में टिकाव देखा गया। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1350-1355, सोया रिफाइंड 1410-1415, कपास्या 1520, धूलिया 1525, कड़ी 1525,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8200, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7000-7100, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8000-8100, मूंग पुराना बोल्ड 8200-8300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9400-9700, उड़द गर्मी 9000-9400, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार घटाकर बोले गये। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 227000, चाँदी (99) 226900, टंच 226200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148500,

तत्काल पैसों की जरूरत? एफडी तोड़ने से बेहतर है उस पर लोन लेना

नई दिल्ली। एजेंसी। अचानक वित्तीय जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) मालिकों के सामने एफडी तोड़ने या उसके बदले लोन लेने का विकल्प होता है। वित्तीय विशेषज्ञ एफडी को बरकरार रखते हुए उस पर लोन लेने को एक स्मार्ट वित्तीय निर्णय मानते हैं, जिससे आप पेनल्टी और ब्याज के नुकसान से बचते हैं। अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट के मालिक अक्सर दुविधा में होते हैं कि इसे तोड़ें या इसके बदले लोन लें। वित्तीय विशेषज्ञ मानते हैं कि एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए उस पर लोन लेना एक समझदारी भरा विकल्प है। मान लीजिए आपको 3 लाख रुपये चाहिए और आपके पास 5 लाख रुपये की 7 फीसदी ब्याज वाली एक साल की एफडी है। यदि आप 6 महीने बाद एफडी तोड़ते हैं, तो बैंक पेनल्टी के साथ ब्याज दर घटाकर 5 फीसदी प्रभावी कर सकता है, जिससे आपको लगभग 12,500 रुपये ब्याज मिलेगा। यह पूर्ण अवधि के 35,000 रुपये के संभावित ब्याज से काफी कम है।

बाजार में भारी बिकवाली, लगातार 8वें हफ्ते गिरावट

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1124.02 अंक यानी 1.52 फीसदी गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 360.25 अंक यानी 1.56 फीसदी टूटकर 22,780.25 के स्तर पर आ गया। बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। बैंकिंग, एफएमसीजी और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। बाजार में आई तेज बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ करीब 8 लाख करोड़ रुपए घट गई है। शुक्रवार को जब बाजार बंद हुआ था, तब बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप 482 लाख करोड़ रुपए के करीब था, जो घटकर 474 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। कई प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांकों में तेज गिरावट आई। वित्तीय, धातु, रियल एस्टेट, निजी बैंक और ऊर्जा से संबंधित क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए। ऑटोमोबाइल, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और रसायन शेयरों में भी कमजोरी बनी रही। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने कुछ हद तक लचीलापन दिखाया। मीडिया और फार्मा क्षेत्र भी अपेक्षाकृत स्थिर रहे, लेकिन उनमें भी गिरावट दर्ज हुई। कुल मिलाकर, बाजार की व्यापकता नकारात्मक रही।

कच्चे तेल में लगी आग का असर

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। ब्रेंट फ्यूचर्स 2.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस महीने में अब तक इसकी कीमतों में लगभग 18 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं अमेरिकी क्रूड फ्यूचर्स भी 1.5 प्रतिशत बढकर 93.84 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। कच्चे तेल के इस उबाल ने सीधे तौर पर भारतीय शेयर बाजार का सेंटीमेंट बिगाड़ दिया। सोमवार सुबह गिफ्ट निफ्टी 23,111 अंकों पर था, जिससे साफ हो गया था कि बाजार की शुरुआत बहुत सुस्त रहने वाली है। जैसे ही 9ः15 बजे ट्रेडिंग शुरू हुई, हालात तेजी से बिगड़े। महज दो मिनट के भीतर 9ः17 बजे सेंसेक्स 512 अंक टूटकर 73,383.70 पर आ गया। गिरावट का ये सिलसिला यहीं नहीं थमा, बल्कि 10ः50 बजे तक सेंसेक्स 970 अंक का गोता लगा चुका था।

अमेरिका ईरान के बीच बढ़ा तनाव

बाजार में मची इस तबाही के पीछे वैश्विक टेंशन मुख्य कारण है। अमेरिका ईरान के बीच शांति वार्ता फिलहाल पूरी तरह से अधर में लटक गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हरमुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के ईरानी प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रंप का कहना है कि ईरान सिर्फ समझौता करने के लिए बेताब है। वहीं ईरान का स्पष्ट रुख है कि इस विवाद को केवल कूटनीति से सुलझाया जा सकता है। मध्य पूर्व में हालात तब से ज्यादा खराब हैं जब फरवरी के अंत में अमेरिका इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए थे। इस युद्ध ने तेल बाजार को पूरी तरह से अनिश्चितता में धकेल दिया है।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली

बाजार को कमजोर करने में विदेशी निवेशकों का भी बड़ा हाथ है। विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारतीय बाजार से अपना पैसा निकाल रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को विदेशी निवेशकों ने 36.94 अरब रुपये (385.54 मिलियन डॉलर) के शेयर बेचे। इस महीने अब तक उन्होंने 1.8 अरब डॉलर की निकासी कर ली है। अगर इस पूरे साल की बात करें तो ये आंकड़ा 25.86 अरब डॉलर तक पहुंचा।

स्टॉक मार्केट में यूपीआई भुगतान पर नया एमडीआर, ब्रोकरों पर पड़ेगा बोझ

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में यूपीआई के माध्यम से होने वाले भुगतानों पर अब नया मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। 15 अक्टूबर से प्रभावी होने वाला यह नियम शेयर, सिक्योरिटीज, म्यूचुअल फंड और स्टॉक ब्रोकर से जुड़े लेनदेन पर 0.02 फीसदी एमडीआर लगाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति लेनदेन 300 रुपये होगी। यह शुल्क सीधे ग्राहक से न लेकर भुगतान प्राप्त करने वाले ब्रोकरों और संबंधित कंपनियों पर लागत का बोझ डालेगा। यह एमडीआर भुगतान प्राप्त करने वाले मर्चेंट या ब्रोकर की लागत होती है, जिससे ब्रोकरों के सामने एक अतिरिक्त लागत का सवाल खड़ा हो गया है। विशेष रूप से तब, जब कोई ग्राहक यूपीआई के जरिए पैसे जमा करता है, लेकिन बाद में उन पैसों से कोई शेयर नहीं खरीदता, ऐसी स्थिति में भी ब्रोकर को एमडीआर का खर्च उठाना पड़ सकता है। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एक प्रमुख अ?धिकारी ने स्पष्ट किया है कि एमडीआर को लेकर उनकी सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई है। उनके अनुसार इस नए शुल्क का व्यावहारिक समाधान ब्रोकर और ग्राहकों को मिलकर निकालना होगा। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नियम बाजार प्रतिभागियों और ग्राहकों को किस तरह प्रभावित करता है।

अमेरिका से भारत को राहत, एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर आंशिक शुल्क हटे

वॉशिंगटन। एजेंसी। वाणिज्य विभाग ने भारत समेत कई देशों से आयात होने वाले कुछ खास एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर लागू एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी से आंशिक रूप से पाबंदियां हटा दी हैं। विभाग ने बदले हुए हालात की अपनी समीक्षा के अंतिम नतीजों की घोषणा की, जिसके तहत यह फैसला 24 सितंबर से लागू माना जाएगा। यह कदम भारतीय एल्युमिनियम निर्यातकों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे अमेरिकी बाजार में उनकी पहुंच आसान होगी। यह आंशिक छूट उन एल्युमिनियम स्टॉक पर लागू होगी जो विशेष रूप से पेय पदार्थों के कैन, कैन के ढक्कन और कैन खोलने के लिए इस्तेमाल होने वाले टैब बनाने के लिए उपयुक्त हैं। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि सभी कॉमन अलॉय एल्युमिनियम शीट पर लगे व्यापारिक शुल्क खत्म कर दिए गए हैं; व्यापक एंटी-डंपिंग और अन्य व्यापारिक शुल्क अभी भी लागू रहेंगे। उत्पाद की पात्रता उसके लिखित तकनीकी विवरण के आधार पर तय की जाएगी, न कि अमेरिकी टैरिफ सिस्टम में उसकी कैटेगरी के आधार पर। यह फैसला भारत के अलावा बहरीन, ब्राजील, क्रोएशिया, मिस्त्र, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, ओमान, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ताइवान और तुर्किये से आने वाली एल्युमिनियम शीट से जुड़े मौजूदा आदेशों पर भी असर डालेगा। चीन से आयात होने वाली एल्युमिनियम शीट पर भी अलग से असर होगा। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने यह समीक्षा तब शुरू की थी जब अमेरिका की एल्युमिनियम इंडस्ट्री के कुछ सदस्यों ने कैन बनाने में इस्तेमाल होने वाले एल्युमिनियम स्टॉक को मिलने वाली छूट के नियमों को स्पष्ट करने की मांग

मेष राशि- कल 29 सितंबर का दिन पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम को पूरा करने के लिए तत्पर रहेंगे और सहकर्मियों से आपको सहयोग मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि टीम वर्क का भी आपको फायदा मिलेगा। सुख साधनों का भी आपको फायदा मिलेगा।

वृषभ राशि- कल मंगलवार का दिन मिलाजुला रहेगा। आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सेहत के मामले में भी आपको अपना ध्यान रखना होगा। नौकरी में आपके ऊपर काम का दबाव रह सकता है। बैंकिंग से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी। भाई बहनों से आपको सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि- कल मंगलवार का दिन कामकाज के लिहाज से अनुकूल रहेगा। कुछ पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से आपको समय प्रबंधन करना होगा। आर्थिक मामलों में दिन खर्चीला रहेगा, कुछ अप्रत्याशित खर्च का भी आपको सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन आपका सुखद रहेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी। ससुराल पक्ष से आपको सहयोग मिल सकता है।

कर्क राशि- कल मंगलवार का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आप बिजनेस में आर्थिक लाभ प्राप्त कर पाएंगे। सरकारी काम में आपको सफलता मिलेगी। मंगल और गुरु की युति से प्रॉपर्टी से जुड़े काम में भी आपको फायदा मिलेगा। कोचिंग और शिक्षण के काम से जुड़े जातकों के लिए भी दिन अनुकूल रहेगा, प्रतिष्ठा और लाभ में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन सुखद होगा। और पार्टनरशिप में सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि- कल मंगलवार का दिन मिलाजुला रहेगा। आपको संयम से काम लेना होगा, जोखिम भरे काम से आपको बचना होगा। छोटी अवधि के निवेश के लिए कल का दिन आपके पक्ष में नहीं है इसलिए आपको इससे बचने की जरूरत है। आपके लिए सितारे बताते हैं कि आपको दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। सरकारी मामलों में आपको संयम से काम लेना चाहिए, कागजात का ध्यान रखें।

कन्या राशि- कल 29 सितंबर का दिन सूर्यदेव की कृपा से लाभदायक रहेगा। आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार में आपको लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठ व्यक्तियों से सहयोग मिलेगा। पिता और पैतृक पक्ष से लाभ मिलने का संयोग बनेगा। आपकी कोई पुरानी चाहत पूरी होने की खुशी मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतर होगा।

तुला राशि- कल 29 सितंबर का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलेगी। सामाजिक परिचय का भी आपको लाभ मिलेग। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और अधिकारियों से आपको सहयोग मिलेगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। घर के बड़ों से आपको आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। शाम का समय आपका मनोरंजक बीतेगा। किसी मित्र की मदद कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि- कल मंगलवार का दिन मंगल की कृपा से लाभदायक रहेगा। भाई बहनों से आपको सहयोग मिलेगा। प्रॉपर्टी के काम मे आपको लाभ मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से संबंधित कोई काम है तो इसमें आपको सफलता मिलेगी। रुचिकर खानपान का भी आप आनंद ले पाएंगे। साहसिक निर्णय और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिलेगा। पैतृक पक्ष से भी लाभ मिलने का योग बना हुआ है।

मकर राशि- कल का दिन धर्म कर्म में रुचि बढाने वाला रहेगा। नौकरी में आपका काम सुचारू रूप से चलेगा। आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। बिजनेस में कमाई से मन आनंदित होगा। परिवार से भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता रहेगी। कोई प्रसन्नतादायक खबर भी मिलेगी।

मकर राशि- कल 29 सितंबर मंगलवार का दिन कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। कोर्ट कचहरी से जुड़े काम में आपको सफलता मिलेगी। नौकरी में आप टीमवर्क से काम को समय से पूरा कर पाएंगे। साझेदारी के काम में आपको फायदा मिल सकता है। किसी मित्र या सगे संबंधी की मदद करनी पड़ सकती है। वाणी पर संयम रखें जीवनसाथी से मतभेद और कहासुनी होना संभव है।

कुंभ राशि- कल का दिन जातकों के लिए लाभदायक रहेगा। राशि से तीसरे भाव में चंद्रमा और भाग्य भाव में बुध शुक्र की युति से आपको कारोबार और काम में लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपकी कोई चाहत भी पूरी होगी और लंबे समय से अटक रहा आपका कोई काम भी पूरा हो सकता है। भाई बहनों से किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है तो उसे दूर कर पाने में आप सफलता पाएंगे। किसी मामले में आपको कूटनीतिक जीत मिल सकती है।

मीन राशि- कल 29 सितंबर का दिन चंद्रमा के दूसरे भाव में होने के अनुकूल बीतेगा। राशि स्वामी गुरु की भी शुभ स्थिति बनी हुई है जिससे आपको विदेशी क्षेत्र से और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में आप बजट को संतुलित रख पाएंगे। मित्रों और पड़ोसियों से आपको सहयोग मिल पाएगा। कार्यक्षेत्र में काम में तेजी रहेगी।

शब्दजाल- 8405

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रू
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'सिखो' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिहं

शब्दजाल - 8404 का हल

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	रू	वे	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	वी	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ट
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	ज	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7339

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7338

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.15 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.29 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.45 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.50 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.37 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.18 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.32 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.48 बजे से
बजे तक		कन्या	05.00 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 272 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 17.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 09.04 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 06.13 बजे तदनन्तर हर्षण 03.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 06.14 बजे, विष्टि 17.11 बजे तदनन्तर बव 04.04 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 20'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872847
जूलियन दिन 2461312.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 17
विशेष महा भरणी, विघ्नराज संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ी साधना

नगर सेठ का पुत्र था मेघ । बुद्ध के प्रवचनों से प्रभावित होकर उसने भी प्रवज्या ग्रहण करने का फैसला किया। बुद्ध ने उसे अपने निर्णय पर ठीक से सोच लेने को कहा, लेकिन वह अपने फैसले पर दृढ़ रहा। वह बौद्ध विहार में रहने लगा। वह अपने साथ सुख-सुविधाओं की चीजें लेता आया था। बुद्ध ने एक दिन विहार के वरिष्ठ भिक्षु को मेघ की सुख- सुविधाएं कम करने को कहा। मेघ को अब मोटा भोजन और मोटा बिस्तर दिया जाने लगा। उसे सेवा के कड़े काम भी दिए गए। धीरे-धीरे मेघ की प्रसन्नता को ग्रहण लगने लगा। वह खिन्न सा रहने लगा। उसने इससे पहले कभी रूखा-सूखा अन्न नहीं खाया था। वह हमेशा आरामदेह बिस्तर पर सोता था। जब से वह इन सुविधाओं से वंचित हुआ, उसका उत्साह कम होने लगा। उसे लगा कि उसकी शांति छिन गई है। उसके मन में विचार उठना लगा कि कहीं मैंने गलत मार्ग का चुनाव तो नहीं कर लिया। ऐसा तो नहीं कि बाद में मुझे पछताना पड़ेगा। उसने बुद्ध के पास जाकर कहा, 'भगवन, मेरे मन में भौतिक इच्छाएं फिर से पैदा हो रही हैं, आप मुझे विशेष साधना बताएं।' इस पर बुद्ध ने कहा, 'मन को स्थिर रखना ही सबसे बड़ी साधना है। बेहतर यही है कि तुम अपने चित्त को वश में करने का प्रयत्न करो। यह स्थिरता आराम की स्थिति में उपलब्ध होने वाली जड़ता नहीं है। इसमें जीवन का प्रवाह है। हर परिस्थिति के साथ सामंजस्य बनाने की क्षमता है।' बुद्ध की बात सुनकर मेघ उनके समक्ष नतमस्तक हो गया।

सूडोकु नवताल- 7648

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7647 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8863

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरूरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8862 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

महिला समूहों की ताकत से आजीविका को मिलेगा विस्तार

निर्भया आजीविका संकुल संगठन की वार्षिक सभा में आगामी कार्ययोजना पर मंथन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मंगल भवन लांजी में निर्भया आजीविका संकुल स्तरीय संगठन की वार्षिक साधारण सभा आयोजित हुई। इसमें संगठन से जुड़े महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा में संगठन की अब तक की गतिविधियों और उपलब्धियों की समीक्षा के साथ महिलाओं की आजीविका को और मजबूत बनाने तथा आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार करांहे रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे तथा महिला एवं बाल विकास सभापति रेवाजी करहटकरे उपस्थित रहे। अतिथियों ने महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अधिक महिलाओं को आजीविका से जोड़ने पर जोर

वार्षिक सभा में स्वयं सहायता समूहों की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी समय में उन्हें और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। महिलाओं की आय के साधनों को बढ़ाने, समूहों की गतिविधियों का विस्तार करने और अधिक से अधिक महिलाओं को आजीविका के अवसरों से जोड़ने की कार्ययोजना पर मंथन किया गया। संगठन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयासों को गति देने पर भी जोर रहा। सभा में राजाराम परते विकासखंड प्रबंधक, समूह प्रेरक सुनीता चन्ने, सहायक विकासखंड प्रबंधक अतीत फुल्मारी, कार्यालय सहायक होमेश पांचे एवं कुषणलाल मटाले सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठन की ओर से कविता कोशरे, अख्तरी शेख रानी, सचिव उमेश्वरी दह्लेमल, कोषाध्यक्ष मंजूषा मेश्राम, उपाध्यक्ष जैतूरा कारमेघे, सह-सचिव, कार्यकारिणी सदस्य तथा बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्य उपस्थित रहीं। सभा को संगठन की आगामी गतिविधियों और कार्ययोजनाओं के निर्धारण की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा समूहों की गतिविधियों को गांव-गांव तक विस्तार देने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स को सत्र 2026-27 के लिए एशिया में सर्वश्रेष्ठ संस्था का अवार्ड

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराष्ट्र के शिरडी स्थित सेंट लार्न होटल रिसोर्ट में 27 सितंबर 2026 को महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की गवर्निंग काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में देशभर से संस्था के पदाधिकारियों एवं गवर्निंग काउंसिल सदस्यों ने सहभागिता की। इस दौरान संस्था की आगामी गतिविधियों, सेवा कार्यों एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में फिलीपींस से आए मिस्टर घुसी पीसे, पीस प्राइज इंटरनेशनल के डायरेक्टर एवं उनकी टीम ने विशेष अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर सत्र 2026-27 के लिए एशिया में सर्वश्रेष्ठ संस्था का अवार्ड महावीर इंटरनेशनल एपेक्स को प्रदान करने की घोषणा की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने इसे सेवा, समर्पण एवं मानवता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, सेक्रेटरी जनरल सोहन वैद्य एवं कोषाध्यक्ष सुधीर जैन को संस्था की इस उपलब्धि तथा निरंतर सेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विभिन्न समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही आगामी सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संस्था के सेवा कार्यों के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपने सुझाव भी रखे। महाकौशल जोन के चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्था का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और मानवता सभी सदस्यों को समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि महावीर इंटरनेशनल को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलना संस्था से जुड़े सेवा भावी सदस्यों के लिए गौरव का विषय है। बैठक में महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन से अभय सेठिया, तरुण सुराणा, सुशील जैन एवं राकेश सचान तथा छत्तीसगढ़ जोन के चेयरमैन निरंजन हरितवाल सहित देशभर से आए गवर्निंग काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संस्था की आगामी सेवा योजनाओं एवं गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पहले ही प्रयास में एमबीबीएस में चयन

मुकुंद बड़घैया ने बढ़ाया लांजी का गौरव

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिभा को यदि मेहनत, लगन और सही दिशा मिले तो सफलता की राह आसान हो जाती है। इसी बात को चरितार्थ करते हुए ग्राम अमेड़ा निवासी मुकुंद पिता बलराम बड़घैया माता सुनिता बड़घैया ने अपने पहले ही प्रयास में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन हासिल कर परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। मुकुंद का चयन मेडिसिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में एमबीबीएस के लिए हुआ है। मुकुंद की इस उपलब्धि से परिवार सहित ग्रामीणों और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सपना संजोए मुकुंद ने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। मुकुंद के चयन की खबर मिलते ही परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सभी ने उम्मीद जताई कि मुकुंद बड़घैया भविष्य में एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे। उनकी इस उपलब्धि ने गांव के अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और नई ऊर्जा का संचार किया है। मुकुंद बड़घैया की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं। उनकी उपलब्धि से यह संदेश मिलता है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।

54 संस्कार केंद्रों में एक साथ गूंजा वंदे मातरम्

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र जिला बालाघाट के अंतर्गत जिले के सभी 54 संस्कार केंद्रों में 25 सितंबर को प्रात: 11 बजे वंदे मातरम् के 150वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम् गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। निर्धारित समय पर जिलेभर के संस्कार केंद्रों में एक साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ आचार्य-दीदियों, ग्राम के गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला समन्वयक नरेंद्र मरावी ने बताया कि जिले के सभी 54 सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्रों में निर्धारित समय पर विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में मां भारती के प्रति श्रद्धा, राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा देशभक्ति की भावना को जागृत करना रहा।

इसके साथ ही राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और देशप्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों और युवाओं को देश के गौरव, भारतीय संस्कृति तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों से परिचित कराने का माध्यम बनते हैं। सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन समाज में एकता, भाईचारे और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करता है। इसी क्रम में बिजागढ़ संकुल घोटी के अंतर्गत संस्कार केंद्र में भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। आचार्य दीदी भारती मस्के के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य नागरिकों के साथ मातृशक्ति एवं युवाशक्ति की भी सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रभावना और देशप्रेम से जुड़े संदेश दिए गए। उपस्थित ग्रामीणजनों ने कहा कि संस्कार केंद्रों के माध्यम से आयोजित ऐसे कार्यक्रम बच्चों और युवाओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वन समिति अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र धामड़े, उपाध्यक्ष नंदकिशोर लिल्हारे निर्वाचित

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन विभाग के तत्वावधान में ग्राम भाडराचल, टेकेपार, पोस्ट मिरिया में वन समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए रविवार, 27 सितंबर को चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र धामड़े तथा उपाध्यक्ष पद पर नंदकिशोर लिल्हारे ने जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद के लिए धर्मेंद्र धामड़े, पिता दिलीप धामड़े और पूर्व अध्यक्ष ईश्वरदास लिल्हारे, पिता रामदास लिल्हारे के बीच मुकाबला हुआ। चुनाव में कुल 412 मत डाले गए। इनमें धर्मेंद्र धामड़े को 218 मत, जबकि ईश्वरदास लिल्हारे को 177 मत प्राप्त हुए। 17 मत निरस्त हुए। इस तरह धर्मेंद्र धामड़े ने 41 मतों के अंतर से जीत हासिल कर वन समिति के अध्यक्ष पद पर चयनित हुए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद के लिए नंदकिशोर लिल्हारे, पिता गेंदलाल लिल्हारे और नाजु कला खाण्डवाहे, पति हंसराज के बीच मुकाबला हुआ। नंदकिशोर लिल्हारे को 211 मत तथा नाजु कला खाण्डवाहे को 187 मत मिले। 14 मत निरस्त हुए। नंदकिशोर लिल्हारे ने 24 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर उपाध्यक्ष पद हासिल किया। चुनाव प्रक्रिया परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। सहायक परिक्षेत्र अधिकारी बहेला रविन्द्र सोनवाने, नोडल अधिकारी सहायक परिक्षेत्र अधिकारी लांजी सुनील नेवारे, बिट गार्ड सीमा घोरमारे सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी चुनाव प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र धामड़े एवं उपाध्यक्ष नंदकिशोर लिल्हारे को उपस्थित सदस्यों ने बधाई दी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य शिविर और नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस, रेड रिबन क्लब एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता, सिकल सेल एनीमिया एवं हीमोग्लोबिन जांच शिविर के साथ स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल स्टाफ एवं सहयोगी दल द्वारा छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान छात्राओं का वजन, ऊंचाई, बीएमआई, हीमोग्लोबिन स्तर एवं सिकल सेल परीक्षण सहित आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दर्ज की गई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद आवश्यकता के अनुसार छात्राओं को दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

शिविर के दौरान आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता सत्र में छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जानकारी दी गई। आरबीएसके की चिकित्सा अधिकारी डॉ. त्रिवेणी मेश्राम, चिकित्सा अधिकारी डॉ. त्रिवेणी सोनी एवं श्री संजय मानेश्वर, एपीए ने छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही एड्स एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। शिविर में कुल 142 छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजन में चिकित्सा अधिकारियों के साथ नर्सिंग ऑफिसर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट एवं सपोर्टिंग स्टाफ ने सहयोग किया। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने छात्राओं को पौष्टिक भोजन एवं स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविकाओं द्वारा समाज सेवा एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के महत्व, कचरा प्रबंधन तथा व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य के बीच संबंध के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। 'सेवा संकल्प अभियान' को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, कार्यालयीन स्टाफ एवं छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक तीन, ग्राम मोहझरी में आंगन मिलो और पोषण माह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में ग्राम मोहझारी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक तीन में आंगन मिलो कार्यक्रम एवं पोषण माह के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला बाल विकास समिति के सभापति कराटकर महोदय तथा ग्राम पंचायत सरपंच मनीषा नागतोड़े मैडम की गरिमामयी उपस्थिति एवं अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पोषण प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ हुआ। पोषण माह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, हरी सब्जियों, फल एवं मोटे अनाजों (श्री अन्न) की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए महिला बाल विकास समिति के सभापति कराटकर महोदय ने कहा, कुपोषण को दूर करने के लिए सही पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। आंगन मिलो जैसे कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग को आंगनवाड़ी की गतिविधियों से जोड़ने और बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरपंच मनीषा नागतोड़े मैडम ने अपने संबोधन में कहा, ग्राम पंचायत महोजरी में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्र गांव के विकास की नींव हैं, और हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे गांव का कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे। आंगन मिलो पहल के अंतर्गत गांव के गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों और बच्चों ने एक साथ समय बिताया तथा केंद्र की गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण किट और पौष्टिक आहार के संबंध में परामर्श दिया गया। साथ ही बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने और नियमित आंगनवाड़ी भेजने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं सभी को कुपोषण मुक्त गांव बनाने की शपथ दिलाने के साथ हुआ।

गोंदिया में कांग्रेस का महामोर्चा, सूखा, धान बोनस की मांग

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एफआईआर की मांग - तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, गोंदिया तहसील समेत जिले के शेष सात तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित करने और खरीफ फसलों के लिए तत्काल बोनस देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सोमवार, 28 सितंबर को गोंदिया शहर में महामोर्चा निकाला गया. भोला भवन से शुरू हुआ मोर्चा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचा. जहां कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को मांगों का ज्ञापन सौंपा।

मोर्चे में कांग्रेस नेताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए. जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराडे ने कहा कि जिले में किसानों के सामने कृषि संकट की स्थिति है. धान उत्पादक किसान बोनस, फसल नुकसान की भरपाई और अन्य कृषि संबंधी सहायता

की मांग लगातार उठा रहे हैं. कांग्रेस का आरोप है कि इन मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण पार्टी को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा. मोर्चे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी प्रमुख रही. कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रूक) प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की. महाराष्ट्र कांग्रेस ने 28 सितंबर को राज्यभर में इसी मुद्दे को लेकर आंदोलन का आह्वान किया था. दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि स्क्रूक से संबंधित आदेश तीनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी के बाद जारी किए गए हैं. कांग्रेस ने कोट प्रकोप तथा बेमौसम बारिश से प्रभावित फसलों का तत्काल पंचनामा कर किसानों को आर्थिक सहायता देने की मांग की. इसके साथ ही खरीफ, विशेषकर धान उत्पादक किसानों को तत्काल बोनस वितरित करने की मांग ज्ञापन में की गई. मोर्चे में सांसद डा. प्रशांत पडोले, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराडे, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, नगराध्यक्ष छोटू बिसेन, नगराध्यक्ष विजय फुंडे, पी.जी. कटरे, मलेशाम येरोला, विलास राऊत, ओबीसी आघाड़ी जिलाध्यक्ष जितेंद्र कटरे, किसान आघाड़ी जिलाध्यक्ष जितेश राणे, डा. झामसिंह बघेले, तहसील अध्यक्ष रमेश अंबुले, ओम पटले, डेमेंद्र रहांगडाले, गौरव बिसेन, जहीर अहमद और अशोक चौधरी सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सूखाग्रस्त तहसीलों में विस्तार की मांग

महाराष्ट्र सरकार ने 26 सितंबर को 358 में से 265 तहसीलों में सूखा घोषित करते हुए राहत उपायों की घोषणा की है. सरकारी सूची में गोंदिया जिले का केवल एक तालुका शामिल है. कांग्रेस ने जिले के शेष सात तहसीलों को भी सूखाग्रस्त घोषित कर राहत व शासकीय सवलतें लागू करने की मांग की. घोषित क्षेत्रों में फसल नुकसान का पंचनामा, कृषि कर्ज पुनर्गठन, भू-राजस्व में रियायत, कृषि पंपों से संबंधित बिजली राहत समेत विभिन्न उपाय शामिल हैं।

आज निकलेगा भव्य किसान ट्रैक्टर आक्रोश मोर्चा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी तहसील के किसानों और खेत मजदूरों की विभिन्न लंबित मांगों की ओर शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए, मंगलवार, 29 सितंबर को सुबह 11 बजे भव्य किसान ट्रैक्टर आक्रोश मोर्चा निकाला जाएगा. मोर्चे की शुरुआत बोरगांव बस स्टैंड के सामने से होगी. इसके बाद मोर्चा गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती चौक होते हुए, उपविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय पहुंचेगा।

आयोजकों ने कृषि फसलों पर रोग और कीटों के प्रकोप से हुए नुकसान का राजस्व अधिकारियों व पटवारियों के माध्यम से सर्वेक्षण कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है. नुकसानग्रस्त किसानों को प्रति हेक्टेयर 1 लाख रु. की आर्थिक सहायता, खेत मजदूरों को 25 हजार रु. प्रोत्साहन राशि तथा आगामी खरीफ सीजन के लिए मुफ्त बीज उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई है. इसके अलावा पिछले वर्ष घोषित प्रति हेक्टेयर 25 हजार रु. की प्रोत्साहन राशि तत्काल वितरित करने, वर्ष 2017 से 2026 तक किसानों का कर्ज माफ कर 7/12 उतारा को कोरा करने, नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि देने तथा खेती के लिए 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई है. किसानों और खेत मजदूरों की समस्याओं की ओर शासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित इस मोर्चे में तहसील के किसान, खेत मजदूर और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हों, ऐसा आह्वान आयोजकों की ओर से किया गया है।

अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़ा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दवनीवाड़ा थाने के तहत ग्राम सालइटोला में अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़ा गया. इस कार्रवाई में कुल 9 लाख 26 हजार रु. का माल जब्त किया गया. जानकारी के अनुसार, देवरी निवासी आरोपी ललित दुर्योधन जैतवार (29) व रंजीत बसंतलाल सिहारे (30) देवरी के वैनगंगा नदी से बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध रेत ले जा रहे थे. इसी दौरान दवनीवाड़ा पुलिस ने उन्हें सालइटोला में पकड़ लिया. इस कार्रवाई 9 लाख 20 हजार रु. कीमत का ट्रैक्टर-ट्रॉली व 6 हजार रु. कीमत की एक ब्रास रेत ऐसा कुल 9 लाख 26 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी हवलदार रेयाज सलीम शेख की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार सचिन टेंभुर्णीकर कर रहे हैं।

नवोदय विद्यालय में अव्यवस्था पर सांसद ने लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के नवेगांवबांध स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रशासनिक अव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर विद्यार्थियों व अभिभावकों में नाराजगी सामने आई है. 27 सितंबर को आयोजित पालक-शिक्षक बैठक में विद्यार्थियों ने सांसद डा. प्रशांत पडोले के समक्ष विद्यालय की विभिन्न समस्याएं रखीं।

विद्यार्थियों व अभिभावकों ने मेस में भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायतें कीं. उनका आरोप है कि चावल में कंकड़ और भोजन में कीड़े मिल रहे हैं. एक विद्यार्थी की रोटी में स्टेपलर की पिन मिलने की शिकायत भी बैठक में रखी गई. नाश्ते में केवल बिस्कुट दिए जाने और दूध पतला होने की बात भी पालकों ने कही. विद्यालय की इमारत और परिसर को लेकर भी समस्याएं बताई गईं. छत से पानी टपकने तथा परिसर में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आने से सांप दिखाई देने की शिकायत की गई. बीमार

विद्यार्थियों को समय पर उपचार नहीं मिलने और डाक्टर की उपलब्धता को लेकर भी पालकों ने सवाल उठाए. शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर भी अभिभावकों ने चिंता जताई. कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और आईटी विषयों के पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की गई. इसके अलावा कपड़े धोने व प्रेस करने, बाल कटवाने, गर्म पानी और आरओ के शुद्ध पेयजल जैसी सुविधाओं के टेंडर लंबित होने की जानकारी भी बैठक में सामने आई. पालकों ने बिजली कटौती के दौरान जनरेटर की व्यवस्था, गर्म पानी, लंबित ड्रेस यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, नए बिस्तर, पाठ्यपुस्तकें, डिजिटल बोर्ड, आधुनिक साइंस लैब, हॉस्टल की पुताई और खराब पंखों की मरम्मत सहित 14 प्रमुख मांगें रखीं. कुछ पालकों ने प्राचार्य उषा धारगावे के व्यवहार पर भी आपत्ति जताते हुए उनके तबादले की मांग की।

सांसद ने दिए सुधार के निर्देश

सांसद डा. प्रशांत पडोले ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने कंप्यूटर लैब तत्काल विद्यार्थियों के लिए शुरू करने, मेस के भोजन की गुणवत्ता सुधारने और विद्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए. प्रशासन को ओर से भी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए. बैठक में तहसीलदार, बीडीओ, ग्राम पंचायत सदस्य देवाजी कापगते, उपप्राचार्य जुमडे सहित बड़ी संख्या में पालक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

अब प्राचार्य का पक्ष क्या होगा, इस पर नजरें

विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर सामने आई शिकायतों के बाद अब प्राचार्य उषा धारगावे का पक्ष क्या सामने आता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं. विद्यार्थियों और पालकों द्वारा लगाए गए आरोपों पर विद्यालय प्रशासन की ओर से स्पष्टीकरण आने के बाद ही वस्तुस्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

ग्राम पंचायतों का होगा डिजिटल स्वच्छता मूल्यांकन

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक सक्षम, पारदर्शी और टिकाऊ बनाने के लिए 'स्वच्छ सेवा आकलन' उपक्रम चलाया जाएगा. इसके अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों का वार्षिक डिजिटल स्वयं-मूल्यांकन किया जाएगा. इसके माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध स्वच्छता सेवाओं की स्थिति और कार्यक्षमता का आकलन किया जाएगा।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनितचंद्र दोंतुला ने सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों से निर्धारित अवधि में स्वयं-मूल्यांकन पूरा करने का आह्वान किया है. मूल्यांकन में गांव की स्वच्छता व्यवस्था की स्थिरता, ठोस कचरा प्रबंधन, दृश्य स्वच्छता, ठोस व तरल कचरा प्रबंधन के साधनों का संचालन व रखरखाव तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के संचालन और रखरखाव जैसी प्रमुख बातों को शामिल किया जाएगा. ग्राम जल व स्वच्छता समिति तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता से निर्धारित प्रश्नावली के आधार पर यह स्वयं-मूल्यांकन किया जाएगा. इससे गांवों में स्वच्छता व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आने के साथ आवश्यक सुधार करने में मदद मिलेगी।

2 अक्टूबर को विशेष ग्रामसभा

'स्वच्छ सेवा आकलन' के तीसरे चरण में 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक ग्राम पंचायतों का स्वयं-मूल्यांकन किया जाएगा. इसके बाद प्रारूप रिपोर्ट तैयार कर 2 अक्टूबर को विशेष ग्रामसभा आयोजित की जाएगी. ग्रामसभा में रिपोर्ट पर चर्चा कर उपलब्ध जानकारी का सत्यापन किया जाएगा. इसके बाद आवश्यक सुधार करते हुए अंतिम जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी. जल जीवन मिशन के परियोजना निदेशक विजय लोंढे ने भी जिले की सभी ग्राम पंचायतों से स्वयं-मूल्यांकन की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने का आह्वान किया है.स्वच्छ सेवा आकलन के माध्यम से ग्राम पंचायतों को अपने गांव की स्वच्छता व्यवस्था का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने का अवसर मिलेगा. ग्रामसभा की सहभागिता से जानकारी का सत्यापन कर आवश्यक सुधारों पर जोर दिया जाए, सभी ग्राम पंचायतें स्वयं-मूल्यांकन की प्रक्रिया समय पर और सटीक रूप से पूर्ण करें.

जेनितचंद्र दोंतुला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, गोंदिया

चुनाव आयोग की संयुक्त सफाई ने विपक्ष के आरोपों की हवा निकाली

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रूक), मतदाता सूची और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस व विपक्ष के आरोपों पर विधायक विनोद अग्रवाल ने पलटवार किया है. आयोजित चर्चा में उन्होंने 26 सितंबर को चुनाव आयोग की संयुक्त बैठक के बाद जारी स्पष्टीकरण का हवाला देते हुए कहा कि स्क्रूक से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

अग्रवाल ने कहा कि राजनीतिक असहमति के बावजूद चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाते समय तथ्यों का ध्यान रखना चाहिए. उन्होंने स्क्रूक के दौरान फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र की व्यवस्था तथा 27 मई 2026 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी उल्लेख किया. उनके अनुसार,

इन मुद्दों को लेकर जनता में भ्रम पैदा करने के बजाय नियमों और न्यायालय के आदेशों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए. उन्होंने कैबिनेट सचिव को लिखे गए कथित पत्र को स्क्रूक से जोड़ने पर भी सवाल उठाया. आयोग की ओर से इसे प्रशासनिक प्रकृति का पत्र बताया गया है, इसलिए इसे चुनाव आयोग के भीतर मतभेद का प्रमाण बताना उचित नहीं है. विधायक ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी मतदाता सूची को अद्यतन रखना और पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रखना है. उन्होंने कांग्रेस से संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय ठोस तथ्यों के आधार पर चर्चा करने की अपील की. चर्चा में उन्होंने राहुल गांधी के पूर्व बयानों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर राजनीतिक दलों को तथ्य और जिम्मेदारी दोनों का ध्यान रखना चाहिए।

गालीगलौज कर दी धमकी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत एकोड़ी निवासी फिर्यादी रविकुमार इश्वरचंद पटले (40) को देख कर आरोपी जागो गोपाल ठाकरे (56) ने तुने मेरे खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत की थी. उसमें मुझे नोटीस आया है, ऐसा कहते हुए गालीगलौज कर मारपीट करने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार राजेश जौजाल कर रहे हैं।

दुर्घटना में व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत अभियंता कॉलोनी गोंदिया निवासी विनोद मोहन हरिणखेडे (52) अपने आंगन में खड़ा था. इसी बीच कुड़वा निवासी आरोपी चालक डिगंबर विश्वकुमार बिसेन (40) ने अपना रिक्शा क्र. एमएच 35 - एएच 1141 लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए विनोद को टक्कर मार दी. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी महिला की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार वनवे कर रहे हैं।

डीजे चालक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत ग्राम शेंडा चौक में श्रीकृपा धुमाल गोंदिया के चालक पर तेज आवाज में डीजे बजाने के आरोप में कार्रवाई की गई. फिर्यादी पुलिस उपनिरीक्षक राहुल शिवाजी सोनवने की शिकायत पर गोंदिया के खमारी निवासी आरोपी दुर्गेश राजकुमार कापसे (30) के खिलाफ डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया. जांच हवलदार नेवारे कर रहे हैं।

सीबीएसई कक्षा 6 के छात्रों को राहत, 2027-28 से लागू होगी तीन भाषा नीति

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन भाषा नीति को लेकर कक्षा 6 के छात्रों को फिलहाल राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि मौजूदा शैक्षणिक सत्र में कक्षा 6 के विद्यार्थियों पर तीसरी भाषा की अनिवार्यता लागू नहीं होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि कक्षा 6 के छात्रों को वही छूट मिलेगी जो कक्षा 7 के विद्यार्थियों को दी गई है। साथ ही तीन भाषा फॉर्मूले को नए शैक्षणिक सत्र 2027-28 से लागू करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, नई व्यवस्था 1 अप्रैल 2027 से प्रभावी होगी। इससे पहले सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार को नीति को अगले शैक्षणिक सत्र से लागू करने पर विचार करने को कहा था। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि करीब 99 प्रतिशत स्कूलों में तीसरी भाषा पढ़ाने की व्यवस्था हो चुकी है। इसके बावजूद अदालत ने मौजूदा सत्र में लागू करने पर रोक लगा दी। नई व्यवस्था के तहत अगले वर्ष कक्षा 6 में प्रवेश लेने वाले छात्रों को दो भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी। अंग्रेजी को विदेशी भाषा की श्रेणी में रखा गया है। फिलहाल कक्षा 7 से 10 तक के छात्रों के लिए तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाने वाली आर3 का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर किया जाता है और इसके लिए सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होती। सीबीएसई की ओर से पहले दी गई जानकारी के अनुसार, यदि कक्षा 7 और 8 में पढ़ रहे छात्र पहले से अंग्रेजी और फ्रेंच जैसी दो गैर-भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं, तब वे इन्हें जारी रखते हुए किसी भारतीय भाषा को आर3 के रूप में चुन सकते हैं। अब इसी तरह की व्यवस्था कक्षा 6 के विद्यार्थियों पर भी लागू होगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 9 में आर3 के आंतरिक मूल्यांकन में असफल होने वाले छात्रों को कक्षा 10 में प्रमोट किया जा सकेगा। उन्हें दोबारा आर3 में पास होने का अवसर मिलेगा। हालांकि, कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में सफल होने के लिए, स्कूल से जारी आर3 उत्तीर्ण प्रमाणपत्र जरूरी होगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को इस हफ्ते मिल सकती है महंगाई भत्ते की खुशखबरी!

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के इंतजार के साथ-साथ महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। हालिया घटनाक्रमों को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार डीए का ऐलान जल्द हो सकता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स (सीसीजीईडब्ल्यू) के महासचिव एमएस वेंकटेशन ने बीते सप्ताह वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर डीए बढ़ोतरी के ऐलान की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया था, जिससे उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। ऑल इंडिया न्यू पेंशन स्कीम एम्प्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने कहा कि डीए बढ़ोतरी का ऐलान एक सप्ताह के भीतर होने की संभावना है। वहीं, ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के एक सूत्र ने बताया कि ऐलान इसी सप्ताह किसी भी समय हो सकता है और संबंधित फाइल प्रक्रिया में है। डीए बढ़ोतरी की तारीख को लेकर कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन अब तक के पैटर्न के अनुमान के मुताबिक दशहरा तक ऐलान हो सकता है। आमतौर पर सरकार कई बार त्योहारों के आसपास डीए बढ़ोतरी की घोषणा करती रही है, लेकिन यह कोई तय परंपरा नहीं है। पिछले साल दशहरा 2 अक्टूबर को था और डीए बढ़ोतरी का ऐलान 6 अक्टूबर को किया गया था। इस तरह, 2024 में दशहरा 12 अक्टूबर को था, जबकि डीए बढ़ोतरी की घोषणा 21 अक्टूबर को हुई थी। इस साल दशहरा 20 अक्टूबर को है, इसके बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार इस बार त्योहार से पहले ही डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है। इसका जवाब आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगा।

आचार संहिता का कड़ाई से पालन करें - जिलाधिकारी मंदार पत्की

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. सभी विभाग प्रमुख आचार संहिता का कड़ाई से पालन करें और किसी भी तरह के उल्लंघन की स्थिति न बने, यह सुनिश्चित करें. यह निर्देश जिलाधिकारी मंदार पत्की ने दिए.

आचार संहिता के संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय में सभी कार्यालय प्रमुखों की बैठक हुई. इस दौरान पत्की ने चुनाव अवधि में प्रशासनिक कामकाज को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए तथा सभी विभाग अपने कार्यालयीन कामकाज पर आवश्यक नियंत्रण रखें. स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए

विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा जिलाधिकारी मंदार पत्की को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है. चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी. नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्टूबर और नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 9 अक्टूबर है. मतदान 23 अक्टूबर को तथा मतगणना 27 अक्टूबर को होगी. पूरी चुनाव प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूरी की जाएगी. पत्की ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरी कराने के लिए सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने स्तर पर आवश्यक सावधानी बरतें और आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा थाना क्षेत्र के हरदोली में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 54 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक का नाम हरदोली निवासी गंगाराम नथुराम टेंभुर्णीकर (54) बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गंगाराम टेंभुर्णीकर अपने मित्र के साथ मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एके 3373 से हरदोली चौक पहुंचा था. सुबह करीब 8 बजे दोनों ने सड़क किनारे बाइक खड़ी की और बातचीत कर रहे थे. इसी दौरान आमगांव की ओर से तेज रफ्तार से आ रही चौपहिया वाहन क्र. एमएच 40 - सीए 0716 ने खड़ी

बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सहित गंगाराम टेंभुर्णीकर करीब 10 फीट दूर जा गिरे. गंभीर चोट लगने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दुर्घटना की सूचना मिलते ही सालेकसा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा किया. इसके बाद मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए सालेकसा भेजा गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एयर इंडिया ने शुरू की ऑनलाइन ड्यूटी-फ्री शॉपिंग सेवा

नई दिल्ली। एयर इंडिया और अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए ऑनलाइन ड्यूटी-फ्री शॉपिंग सेवा शुरू की है। इस नई सुविधा के जरिए यात्री अपनी यात्रा से पहले एयर इंडिया की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर ड्यूटी-फ्री उत्पाद देख सकेंगे, उन्हें प्री-ऑर्डर कर सकेंगे और ऑनलाइन भुगतान भी कर सकेंगे। बुक किया गया सामान यात्रा के दौरान संबंधित एयरपोर्ट के निर्धारित ड्यूटी-फ्री काउंटर से लिया जा सकेगा। नई डिजिटल सेवा में कॉस्मेटिक्स और परफ्यूम, प्रीमियम चॉकलेट और कन्फेक्शनरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और लग्जरी पेय समेत कई श्रेणियों के उत्पाद उपलब्ध होंगे। शुरुआत में यात्रियों को सामान्य खुदरा कीमतों पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

एशियाड : नौवें दिन ईशा से गुलवीर तक छाया भारत

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के नौवें दिन भारत के खाते में कुल आठ पदक आए। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक जीतकर दिन की सबसे रोमांचक कहानी लिखी, जबकि गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में अपना दूसरा रजत पदक हासिल किया। मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद में चांदी दिलाई। पुरुष भाला फेंक में भारत ने रजत और कांस्य दोनों पदक जीते। वहीं, वित्या रामराज, पारुल चौधरी और पिंकी बलहारा ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके अलावा बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन, प्रिया घंघास और कपिल पोखरिया ने सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के तीन और पदक पक्के कर दिए।

ईशा सिंह ने पांच शूट-ऑफ के बाद जीता रजत

शूटिंग रेंज पर ईशा सिंह ने दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला खेला। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में ईशा को पदक के लिए पांच शूट-ऑफ से गुजरना पड़ा। वह एक समय तीसरे स्थान पर खिसक गई थीं, लेकिन दबाव के बीच शानदार वापसी की।

40 शॉट के बाद ईशा और उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक के 34-34 अंक थे। कांस्य और रजत के बीच फैसला करने के लिए शूट-ऑफ हुआ। पहले दो शूट-ऑफ में दोनों निशानेबाजों ने तीन-तीन सटीक निशाने लगाए। तीसरे शूट-ऑफ में ईशा ने तीन सटीक निशाने लगाए, जबकि किम के दो शॉट निशाने पर लगे। इसके साथ ही ईशा ने कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया।

इसके बाद स्वर्ण के लिए उनका मुकाबला चीन की जियारुइस्युआन जियाओ से हुआ। दोनों का स्कोर 38-38 रहा और यहां भी शूट-ऑफ की जरूरत पड़ी। पहले शूट-ऑफ में दोनों ने चार-चार सटीक निशाने लगाए। निर्णायक शूट-ऑफ में जियाओ ने 3-2 से बाजी मार ली और ईशा को रजत से संतोष करना पड़ा।

ईशा का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा क्योंकि इससे पहले टीम स्पर्धा में एक शॉट के शून्य दर्ज होने के कारण भारतीय महिला टीम पदक की दौड़ से बाहर हो गई थी। व्यक्तिगत फाइनल में ईशा ने उस निराशा को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक हासिल किया।

गुलवीर ने 1500 मीटर में जीती चांदी

भारत के गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में 3:36.72 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक जीता। वह अंतिम लैप तक स्वर्ण की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन आखिरी क्षणों में जापान के काजुतो इजावा ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। इजावा ने 3:36.35 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण जीता, जबकि गुलवीर 0.37 सेकंड के अंतर से दूसरे स्थान पर रहे। गुलवीर का इन एशियन गेम्स में यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले उन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में भी चांदी जीती थी।

चोट के बावजूद श्रीशंकर ने दिलाई चांदी

मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.07 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। चौथे प्रयास के दौरान चोटिल होने के बाद उन्होंने अपने आखिरी दो प्रयास नहीं किए, लेकिन उनका दूसरा प्रयास ही उन्हें पोडियम पर पहुंचाने के लिए पर्याप्त रहा। चीन के युहाओ शी ने 8.17 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के डेविड सोलोमन पातुराज 7.70 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ सातवें स्थान पर रहे।

भाला फेंक में भारत को दो पदक

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत ने एक साथ दो पदक जीते। यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि रोहित यादव ने 84.35 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। श्रीलंका के रुमेश पथिरगे ने 88.55 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए।

वित्या ने तोड़ा पीटी उषा का 42 साल पुराना रिकॉर्ड

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में वित्या रामराज ने 54.75 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने पीटी उषा का चार दशक से अधिक पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। पीटी उषा ने 1984 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में 55.42 सेकंड का समय दर्ज किया था। वित्या ने अपने नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मौजूदा एशियन गेम्स में वित्या का यह दूसरा पदक है। इससे पहले वह चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

पारुल चौधरी ने 5000 मीटर में जीता कांस्य

महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने 15:14.61 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने स्वर्ण और जापान की नोज़ोमी तनाका ने रजत पदक जीता। पारुल का इन खेलों में यह दूसरा पदक है। वह इससे पहले मिश्रित रिले टीम का हिस्सा रहते हुए भी पदक जीत चुकी हैं।

पिंकी बलहारा ने कुराश में दिलाया कांस्य

कुराश की महिलाओं की 78 किग्रा से कम भारवर्ग में पिंकी बलहारा ने कांस्य पदक जीता। सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की सुमिन मो के खिलाफ 0-5 से हार मिली। कुराश में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दोनों खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है, इसलिए पिंकी का पदक पहले ही पक्का हो गया था। यह एशियन गेम्स में पिंकी का दूसरा पदक है। उन्होंने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में रजत पदक जीता था।

बॉक्सिंग में तीन और पदक पक्के

भारतीय मुक्केबाजी के लिए भी दिन शानदार रहा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में दक्षिण कोरिया की सियोंग सुयोन को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। प्रिया घंघास ने महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा को 5-0 से हराया। पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में कपिल पोखरिया ने दक्षिण कोरिया के किम गिचाए को 5-0 से मात दी। इन तीनों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ भारत के कम से कम कांस्य पदक पक्के हो गए हैं। इससे पहले परवीन हुड्डा, अंकुश पंघाल और नरेंद्र बरवाल भी पदक दौर में पहुंच चुके हैं।

क्रिकेट में बिना टॉस के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम बिना मैच खेले सेमीफाइनल में पहुंच गई। भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण बिना टॉस के रद्द हो गया। नॉकआउट मुकाबलों के लिए रिजर्व डे नहीं होने के कारण बेहतर आईसीसी टी20 रैंकिंग वाली टीम को विजेता माना गया। भारत विश्व रैंकिंग में नंबर एक और अफगानिस्तान 10वें स्थान पर है। इसी आधार पर भारत को सेमीफाइनल में जगह मिली। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच 29 सितंबर को होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा। सेमीफाइनल मुकाबले एक अक्तूबर को खेले जाएंगे।

स्क्वाश में पुरुष और महिला दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल में

स्क्वाश में भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। महिला टीम ने जापान को 2-1 से हराया। हालांकि, अनाहत सिंह को दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वतनाबे के खिलाफ हार मिली। भारतीय पुरुष टीम ने दक्षिण कोरिया को 3-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वेलावन सेंथिलकुमार, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

वॉलीबॉल में भी भारत की लगातार दूसरी जीत

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने हांगकांग, चीन को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत ने यह मुकाबला 25-22, 25-19, 25-21 से अपने नाम किया। इससे पहले टीम ने वियतनाम को भी 3-0 से हराया था। भारत का अगला मुकाबला मंगलवार को कतर से होगा।

ज्योति सुरेखा वेन्नम का अभियान खत्म, साबले भी पदक से चूके

भारत को कुछ निराशाएं भी मिलीं। मौजूदा चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम महिला व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी के प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में मौजूदा चैंपियन अविनाश साबले भी पदक नहीं जीत सके। उन्होंने 8:21.67 सेकंड का सीजन बेस्ट प्रदर्शन किया, लेकिन पोडियम से बाहर रहे। पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में संतोष कुमार तमिलसरन आठवें स्थान पर रहे। शूटिंग में मनु भाकर भी व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में पदक नहीं जीत सकीं।

एकदिवसीय में डिविलियर्स सहित इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

जोहांसबर्ग। एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं। डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16 विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में वेस्टइंडीज के युवा ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है।

इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है। इस सूची में सबसे पहले नाम आता है श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का, जिन्होंने 7 अप्रैल 1996 को सिंगापुर में पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर पचास रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी का नया चलन स्थापित किया था। उनकी 76 रनों की पारी में 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे। कई साल बाद उन्हीं की शैली को दोहराते हुए एक और श्रीलंकाई बाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल परेरा ने 15 जुलाई 2015 को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। परेरा ने अपनी 68 रनों की पारी में 13 चौके और 2 छक्के जमाए। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल भी इसी साल (2015) 28 दिसंबर को क्राइस्टचर्च में श्रीलंका के खिलाफ महज 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस विशिष्ट क्लब में शामिल हुए। गप्टिल ने 93 रनों की अपनी नाबाद पारी में 8 छक्के और 9 चौके लगाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

वर्ष 2015, जहां एक तरफ डिविलियर्स ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, वहीं परेरा और गप्टिल ने भी अपनी आतिशी पारियों से इस साल को पावर-हिटिंग के लिए स्वर्णिम बना दिया। ये पारियां केवल आंकड़ों का खेल नहीं थीं, बल्कि इन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट के स्वरूप को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आज भी क्रिकेट प्रशंसक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब कोई बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के 16 गेंदों के इस असाधारण रिकॉर्ड को तोड़कर एक नया इतिहास रचेगा।

आईसीसी का अनोखा नियम : क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम ?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस इस समय रोमांच के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमें विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती हैं। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमें अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमें नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए,

International Cricket Council

जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमें हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमें एक ही टूर्नामेंट में एक साथ नहीं उतार सकता। हालांकि, अगर टूर्नामेंट अलग-अलग हों, जैसा कि वर्तमान में हो रहा है कि एक द्विपक्षीय सीरीज और एक मल्टी-नेशन इवेंट तो दो टीमें एक साथ खेलते हुए नजर आ सकती हैं और आईसीसी इन दोनों मैचों को आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का दर्जा देती है।

टीमों को लेकर नियम के अलावा, आईसीसी ने खिलाड़ियों के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आईसीसी के नियम के मुताबिक, कोई भी एक खिलाड़ी एक ही दिन या एक ही समय पर दो अलग-अलग आधिकारिक मैचों की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हो सकता। इसका अर्थ है कि अगर कोई देश एक ही समय पर अलग-अलग इवेंट में हिस्सा लेता है, तो दोनों टीमों के लिए पूरी तरह से अलग-अलग खिलाड़ियों का स्क्वाड होना अनिवार्य है। यह सुनिश्चित करता है कि खेल की अखंडता बनी रहे और कोई भी टीम एक खिलाड़ी का अत्यधिक उपयोग न करे, जिससे भारतीय क्रिकेट की गहरी बेंच स्ट्रेंथ और लचीलेपन का भी पता चलता है।

पंड्या के विकल्प के तौर पर शामिल नीतीश ने किया निराश

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बार-बार चोटिल होने से टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन चाहता है कि पंड्या का कोई विकल्प तैयार हो जाए। इसी को देखते हुए अब तक कई खिलाड़ियों को आजमाया गया पर कोई भी सफल नहीं रहा है। इसी कड़ी में अब तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को अवसर मिला है पर उन्होंने भी निराश किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में पंड्या के संभावित बैकअप के तौर पर देखे जा रहे नीतीश उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। अपने अंतराष्ट्रीय पदार्पण मैच के पहले ही ओवर में उन्होंने 18 रन दे दिये जिससे टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गई हैं। यह ओवर नीतीश रेड्डी के लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा। उन्होंने सात गेंदों का एक महंगा ओवर फेंका, जिसमें वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स ने जमकर रन बनाये।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल

नई दिल्ली। महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई। वहीं भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा। वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

विराट बोले, ये मेरा अंतिम विश्वकप, टीम को खिताबी जीत दिलाना है लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि आगले साल 2027 में होने वाला एकदिवसीय विश्वकप उनके करियर का अंतिम विश्व कप होगा जिसे वह हर हाल में जीतना चाहते हैं। कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाना है और इसके लिए वह पूरी ताकत लगा देंगे।

इसी के साथ ही विराट ने अपने विश्व कप भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर भी अंकुश लगा दिया। अब तक कहा जा रहा था विराट को शायद ही टीम में शामिल किया जाये पर इस बल्लेबाज ने इसमें खेलने की अपनी इच्छा खुलकर जता दी है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अंतिम विश्व कप है, जिसमें मैं भारत के लिए खेलने जा रहा हूं। मैं अपना सब कुछ मैदान पर छोड़ना चाहता हूं इसलिए मेरा अंतिम लक्ष्य विश्व कप जीतना है।

भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया है। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी। अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब डुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एरिगैसी ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुखिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

विराट और गिल का शतकीय संग्राम, पहले वनडे में तोड़े सात बड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली। रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में भारतीय टीम ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज ने पहले 20 ओवरों के भीतर 135 रनों की शुरुआती साझेदारी के बावजूद 295 रन ही बनाए, जिसके जवाब में टीम इंडिया ने 50 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के शिल्पकार रहे विराट कोहली, जिन्होंने नाबाद 139 रनों की धुआंधार पारी खेली, और शुभमन गिल, जिन्होंने शतक जड़कर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी, जिससे यह मैच भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया। तिरुवनंतपुरम के इसी मैदान पर साल 2023 में विराट और गिल ने शतक लगाकर श्रीलंका के खिलाफ भारत को 317 रनों की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, और एक बार फिर उन्होंने उसी कारनामे को दोहराया। इस मैच में रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन उसके बाद गिल और विराट ने मिलकर टीम को जीत दिलाई और कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए।

विराट कोहली ने तोड़े सात रिकॉर्ड-किंग कोहली वनडे में सबसे तेज 15000 रन पूरे करने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 303 पारियों में हासिल की, जबकि तेंदुलकर ने 377 पारियां ली थीं। वह दुनिया के पहले बल्लेबाज भी हैं जिन्होंने वनडे में किन्हीं दो टीमों (वेस्टइंडीज और श्रीलंका) के खिलाफ 10-10 शतक लगाए हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है, दोनों के नाम अब 60 शतक हैं। भारत में खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अब 42 शतक हो गए हैं, जिससे उन्होंने तेंदुलकर की बराबरी कर ली। व्यक्तिगत कीर्तिमान में, वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 छक्के लगाकर उन्होंने एक वनडे पारी में अपने सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी बनाया।

शुभमन गिल भी नहीं रहे पीछे

शुभमन गिल वनडे में साल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उनके नाम 9 पारियों में 671 रन दर्ज हैं, उन्होंने जो रूट को पीछे छोड़ा। साथ ही, गिल सबसे तेजी से 10 वनडे शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, उन्होंने 67 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, शिखर धवन (77) और विराट कोहली (80) से भी आगे निकल गए। इन रिकॉर्ड-तोड़ पारियों ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और वर्तमान दोनों की चमक बढ़ा दी है।

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्वार्टर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय 9:30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया?

इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां भारी बारिश हुई थी, जिससे टीमों के अभ्यास सत्र भी प्रभावित हुए थे। यह स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ज्यादा क्रिकेट मैचों की मेजबानी नहीं करता, इस वजह से मैदान सुखाने की सुविधाएं और ड्रेनेज सिस्टम भी उतना उन्नत नहीं है जितना बड़े क्रिकेट स्टेडियम्स में होता है। बता दें कि एशियन गेम्स के लिए यहां हाइब्रिड पिच तैयार की गई है। इन्हीं सब कारणों के चलते टॉस के समय जैसे ही तेज बारिश फिर से शुरू हुई, यह स्पष्ट हो गया कि आज यहां किसी भी हाल में मैच खेल पाना संभव नहीं होगा। क्रिकेट के पारंपरिक नियमों के अनुसार, अगर मैच बारिश के कारण रद्द होता है और कोई वैकल्पिक दिन नहीं होता, तो टूर्नामेंट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम को अगले चरण के लिए क्वालिफाई करने का अवसर मिलता है।

स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री पर सरकार सख्त, पटवारियों को समयसीमा

गुरुवार से शनिवार तक करानी होगी रजिस्ट्री, अगले बुधवार तक काम शुरू नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई

भोपाल । मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत पट्टाधारियों को निःशुल्क रजिस्ट्री कराने में आ रही अड़चन अब सरकार के लिए प्रशासनिक मुद्दा बन गई है। रजिस्ट्री प्रक्रिया में सहयोग नहीं करने वाले पटवारियों पर कार्रवाई की तैयारी है। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर योजना के क्रियान्वयन के लिए समयसीमा तय कर दी है। अब जिलों में हर सप्ताह गुरुवार से शनिवार तक रजिस्ट्री का काम कराया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में प्रक्रिया शुरू नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ शुरू कराएं और इसकी निगरानी करें। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पात्र पट्टाधारियों को योजना का लाभ

लेने में मैदानी स्तर पर किसी तरह की परेशानी न हो।

राज्य शासन ने रजिस्ट्री के काम को लेकर स्पष्ट समयसीमा तय की है। संबंधित अधिकारियों को अगले बुधवार तक प्रक्रिया शुरू कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद भी रजिस्ट्री शुरू नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यानी अब सरकार ने योजना के क्रियान्वयन में देरी की जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन के लिए राजस्व विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। प्रमुख सचिव राजस्व की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में समन्वय, क्रियान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी तय की गई है। रजिस्ट्री प्रक्रिया में समन्वय के लिए वाणिज्यिक कर विभाग को भी जिम्मेदारी दी गई है। स्थानीय स्तर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी सहयोग करेंगे। वहीं पटवारियों को मैदानी स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलों में योजना के संचालन की जिम्मेदारी कलेक्टरों की होगी। अपर कलेक्टर, नोडल अधिकारी और तहसीलदारों को संपदा ऐप के माध्यम से अधिकार अभिलेखों के आधार पर तैयार दस्तावेजों का पंजीयन कराने की जिम्मेदारी दी गई है। इस व्यवस्था के जरिए सरकार रजिस्ट्री प्रक्रिया को तय समय में पूरा कराने की कोशिश कर रही है।

दस दिन बाद भी नहीं बनी सहमति

स्वामित्व योजना को लेकर सरकार और पटवारियों के बीच पिछले कुछ दिनों से खींचतान बनी हुई है। योजना की शुरुआत के बाद से पटवारियों की ओर से रजिस्ट्री प्रक्रिया में अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने की बात सामने आई है। इसको लेकर राजस्व अधिकारियों और सरकार के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। बैठकों में समाधान निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन करीब दस दिन बाद भी रजिस्ट्री को लेकर पटवारियों की ओर से सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद शासन ने अब प्रशासनिक स्तर पर समयसीमा तय करते हुए जिम्मेदारी निर्धारित कर दी है। सरकार की नई व्यवस्था में एक ओर जहां कलेक्टरों को पूरे जिले की निगरानी सौंपी गई है, वहीं मैदानी अमले से लेकर पंजीयन प्रक्रिया तक अलग-अलग अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। अब निगाह इस बात पर है कि तय समयसीमा में जिलों में रजिस्ट्री का काम शुरू हो पाता है या नहीं।

दीपावली पर गहरा सकता है बिजली संकट का खतरा

भोपाल। दीपावली पर जब शहरों से लेकर गांवों तक बिजली की मांग बढ़ने की तैयारी है, उसी समय मध्यप्रदेश की बिजली व्यवस्था पर आउटसोर्स कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल का साया मंडराने लगा है। प्रदेश की छह बिजली कंपनियों में काम कर रहे करीब 45 हजार आउटसोर्स कर्मचारी 7 और 8 नवंबर को कामबंद आंदोलन की तैयारी में हैं। कर्मचारी संगठनों ने कंपनियों को बाकायदा नोटिस देकर मांगें पूरी नहीं होने पर दो दिन काम से दूर रहने की चेतावनी दी है।

इस आंदोलन का सीधा असर बिजली वितरण, ट्रांसमिशन, जनरेशन और पॉवर मैनेजमेंट से जुड़े मैदानी कामों पर पड़ सकता है। दीपावली के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना बिजली कंपनियों के लिए पहले ही बड़ी चुनौती रहती है। ऐसे में बड़ी संख्या में तकनीकी और मैदानी कर्मचारियों के काम से हटने की स्थिति में फॉल्ट सुधार, मेंटेनेंस और आपात सेवाओं पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

छह कंपनियों को दिया नोटिस मप्र बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव और विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के उपाध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया ने छह बिजली कंपनियों को धारा 22(1) के तहत कामबंद आंदोलन का नोटिस दिया है। आंदोलन में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अलावा ट्रांसमिशन, जनरेशन, पॉवर मैनेजमेंट तथा पूर्व, पश्चिम और मध्य क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों के शामिल होने की बात कही गई है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि लंबे समय से बिजली कंपनियों की सेवाओं में काम करने के बावजूद आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन, भत्तों और सामाजिक सुरक्षा के मामले में अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

त्योहार पर ड्यूटी, फिर भी अतिरिक्त भुगतान नहीं

कर्मचारी नेताओं का दावा है कि करीब 20 वर्षों से दीपावली और दूसरे राष्ट्रीय त्योहारों पर लगातार ड्यूटी करने के बावजूद लगभग 90 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मचारियों को अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं मिला है। उनका कहना है कि बिजली व्यवस्था को सुचारु रखने में आउटसोर्स कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन सेवा शर्तों में उसके अनुरूप सुरक्षा और आर्थिक लाभ नहीं दिए जा रहे। यही वजह है कि इस बार कर्मचारियों ने त्योहार के समय ही कामबंद आंदोलन का नोटिस देकर सरकार और बिजली कंपनियों का ध्यान अपनी मांगों की ओर खींचा है।

ठेका प्रथा खत्म करने से लेकर नियमितीकरण तक मांग

आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों का दायरा केवल वेतन बढ़ाने तक सीमित नहीं है। संगठन ठेका प्रथा समाप्त कर बिजली कंपनियों के माध्यम से सीधे वेतन भुगतान, रिक्त पदों पर नियमितीकरण और न्यूनतम वेतन में सुधार की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा जोखिम भत्ता, नाइट अलाउंस, चिकित्सा अवकाश, बोनस, ग्रेच्युटी और बीमा जैसी सुविधाएं देने की मांग भी की गई है। काम के दौरान दुर्घटना में कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को आर्थिक सहायता देने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी प्रमुख है। कर्मचारियों ने सेवा अवधि बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग भी रखी है।

इंदौर का मास्टर प्लान ड्राफ्ट तैयार, फिर भी जारी नहीं

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद भोपाल को मिली प्राथमिकता

भोपाल। मध्य प्रदेश के दो बड़े शहरों के मास्टर प्लान की प्रक्रिया इस समय अलग-अलग गति से आगे बढ़ रही है। इंदौर का नया मास्टर प्लान ड्राफ्ट तैयार होकर नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय को भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। दूसरी ओर, भोपाल में आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद शुरू हुई कार्रवाई के बीच सरकार ने राजधानी के मास्टर प्लान को प्राथमिकता देते हुए उसका ड्राफ्ट जारी कर दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इंदौर का मास्टर प्लान भोपाल के ड्राफ्ट से पहले ही तैयार हो गया था। कार्यालय संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, इंदौर से इसे संचालनालय भेजा गया था और वहां परीक्षण की प्रक्रिया भी चल रही थी। पहले इंदौर का ड्राफ्ट जारी करने की तैयारी थी, लेकिन भोपाल में बने हालात के बाद प्राथमिकता बदल गई।

भोपाल में आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने के बाद भूमि उपयोग को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत बढ़ गई। इसी दौरान भोपाल के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज की गई। अधिकारियों के मुताबिक ड्राफ्ट तैयार होने के बाद उसे संचालनालय भेजा गया और परीक्षण के बाद राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया। अब इस पर दावे-आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। यानी इंदौर का ड्राफ्ट पहले तैयार होने के बावजूद भोपाल में तत्काल बनी प्रशासनिक और न्यायिक स्थिति के कारण राजधानी का मास्टर प्लान पहले सार्वजनिक हो गया।

इंदौर का तीसरा मास्टर प्लान, 2041 तक का खाका

इंदौर का नया मास्टर प्लान शहर के तीसरे मास्टर प्लान के रूप में तैयार किया गया है। मौजूदा मास्टर प्लान की अवधि वर्ष 2021 में समाप्त हो चुकी है। नए प्लान में वर्ष 2041 तक की अनुमानित आबादी और शहर के विस्तार को आधार बनाया गया है। सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2041 में इंदौर की अनुमानित आबादी करीब 53 लाख रखी गई है। इसके आधार पर नियोजन क्षेत्र को मौजूदा करीब 505 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर लगभग 880 वर्ग किलोमीटर किए जाने का प्रस्ताव है। नियोजन क्षेत्र में शामिल गांवों की संख्या भी करीब 90 से बढ़कर 169 किए जाने की योजना है। यानी नया प्लान केवल मौजूदा शहरी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी शहर के भविष्य के विस्तार से जोड़ेगा।

वर्टिकल डेवलपमेंट पर रहेगा जोर

इंदौर के नए मास्टर प्लान में शहर के विस्तार को केवल बाहर की ओर बढ़ाने के बजाय वर्टिकल डेवलपमेंट पर भी जोर दिया गया है। बढ़ती आबादी और सीमित भूमि के बीच ऊंची इमारतों और अधिक सघन विकास को नियोजित तरीके से बढ़ाने का खाका तैयार किया गया है। इसके साथ ही भूमि उपयोग, आवासीय क्षेत्र, व्यावसायिक गतिविधियां, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है।

भोपाल का प्लान लागू होने में लगेंगे 4-5 महीने

भोपाल के मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट पर दावे-आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 25 अक्टूबर तक समय दिया गया है। इसके बाद करीब 90 दिन तक आपत्तियों की जांच और सुनवाई की प्रक्रिया चलेगी। सुझाव और आपत्तियों के आधार पर आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। इसके बाद अंतिम प्रस्ताव सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद राजपत्र में अंतिम प्रकाशन होगा और इसके बाद मास्टर प्लान लागू किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब चार से पांच महीने लगने का अनुमान है। इंदौर का ड्राफ्ट तैयार होने और संचालनालय स्तर पर पहुंचने के बावजूद उसे तत्काल जारी करने की स्थिति नहीं बनी है। सरकार की मौजूदा प्राथमिकता भोपाल मास्टर प्लान को अंतिम रूप देकर लागू करने की है। भोपाल में मास्टर प्लान लागू होने के बाद भूमि उपयोग और आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े मामलों को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट होने की उम्मीद है।

सितंबर खत्म होने को और जारी नहीं हुआ चुनावी शेड्यूल

भोपाल । मध्यप्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की उम्मीद एक बार फिर तारीखों के इंतजार में अटक गई है। नौ साल से कैंपस में निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी के बाद इस साल चुनाव होने की उम्मीद बनी थी। अगस्त में सरकार ने हाईकोर्ट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अकादमिक कैलेंडर का हवाला देते हुए सितंबर में छात्रसंघ चुनाव कराने का प्रावधान बताया था। सितंबर अब खत्म होने की ओर है, लेकिन चुनाव कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। इससे सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा हो गया है कि क्या इस साल भी छात्रसंघ चुनाव केवल सरकारी कैलेंडर और कोर्ट में दिए गए आश्वासन तक सीमित रह जाएंगे? यदि सितंबर में प्रक्रिया शुरू नहीं होती है तो आगे त्योहारों और दूसरे शैक्षणिक कार्यक्रमों के बीच चुनाव कराने की प्रशासनिक चुनौती भी बढ़ सकती है।

मध्यप्रदेश में आखिरी बार छात्रसंघ चुनाव 2017 में हुए थे। उसके बाद लगातार चुनाव नहीं हो सके। यानी 2026 में चुनाव होते हैं तो करीब नौ साल बाद छात्र राजनीति को कैंपस में फिर चुनावी मंच मिलेगा। इन वर्षों में छात्र संगठनों ने अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की मांग उठाई, लेकिन नियमित चुनाव नहीं हो सके। इस बार अगस्त में हाईकोर्ट की कार्यवाही के दौरान सितंबर का उल्लेख होने से छात्रों और छात्र संगठनों को लगा था कि लंबे अंतराल के बाद चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। लेकिन सितंबर बीतने को है और अभी तक न चुनाव की तारीख सामने आई है, न अधिसूचना और न ही पूरी चुनावी प्रक्रिया का कार्यक्रम।

कैलेंडर में सितंबर, जमीन पर इंतजार

सरकार की ओर से कोर्ट के सामने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अकादमिक कैलेंडर का हवाला दिया गया था। इसमें सितंबर में छात्रसंघ चुनाव कराने का प्रावधान बताया गया। इसके बाद चुनाव को लेकर कैंपस में गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद थी। छात्र संगठनों के सामने अब असली सवाल यह है कि चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के लिए समय कितना बचेगा। छात्रसंघ चुनाव केवल मतदान के एक दिन का कार्यक्रम नहीं होता। मतदाता सूची, नामांकन, आपत्तियां, प्रत्याशियों की अंतिम सूची और मतदान-मतगणना समेत कई चरण पूरे करने पड़ते हैं। ऐसे में सितंबर में चुनाव कराने की बात और सितंबर के अंत तक शेड्यूल नहीं आने के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है।

चुनाव का मतलब सिर्फ पद हासिल करना नहीं

छात्रसंघ चुनाव को आमतौर पर कैंपस की राजनीति से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसका एक अहम पक्ष छात्र प्रतिनिधित्व भी है। फीस, परीक्षा, परिणाम, हॉस्टल, लाइब्रेरी, कैंपस सुरक्षा, परिवहन और दूसरी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था बनती है। चुनाव छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर भी देता है। इसी वजह से छात्र संगठन इसे केवल संगठनात्मक ताकत बढ़ाने की कवायद के बजाय कैंपस प्रतिनिधित्व की प्रक्रिया के रूप में पेश करते रहे हैं।

एबीवीपी-एनएसयूआई दोनों मैदान में उतरने की तैयारी में

छात्रसंघ चुनाव को लेकर प्रदेश के प्रमुख छात्र संगठनों ने सक्रियता दिखाई है। एबीवीपी और एनएसयूआई दोनों जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। लंबे अंतराल के बाद चुनाव होने की स्थिति में दोनों संगठनों के लिए यह कैंपस स्तर पर अपनी सक्रियता और संगठनात्मक उपस्थिति दिखाने का बड़ा अवसर होगा। हालांकि, चुनाव में देरी को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं।

मप्र में मानसून की विदाई का काउंटडाउन शुरू...

भोपाल । पिछले साल जुलाई-अगस्त में तेज बारिश और नर्मदा के ऊपरी क्षेत्र से पानी की बंपर आवक से छलकने वाले इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध इस बार सितंबर तक शांत हैं। इस मानसून सीजन में अब तक दोनों बांधों के गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों से अपेक्षाकृत कम पानी आने और नर्मदा का जलस्तर सामान्य रहने से बांधों में पानी की आवक सीमित है। इसका सीधा असर जल विद्युत उत्पादन पर भी पड़ा है।

इंदिरा सागर बांध का जलस्तर वर्तमान में 260.94 मीटर है, जबकि इसकी कुल भराव क्षमता 262.13 मीटर है। यानी बांध अभी करीब सवा मीटर खाली है। बांध प्रबंधन के अनुसार मानसून सीजन सितंबर के अंत तक जारी है और इस दौरान बांध के पूर्ण क्षमता तक पहुंचने की उम्मीद है।

पिछले साल 27 जुलाई से खोलने पड़े थे गेट

इस बार की स्थिति पिछले साल से बिल्कुल अलग है। वर्ष 2025 में भारी बारिश के चलते इंदिरा सागर में पानी की तेज आवक हुई थी और 27 जुलाई को ही बांध के गेट खोलने पड़े थे। जुलाई-अगस्त में कई बार अतिरिक्त पानी की निकासी की गई। अगस्त में बाढ़ जैसी स्थिति के दौरान बांध की सभी आठ टर्बाइनें 24 घंटे चलाई गईं। इसके मुकाबले इस वर्ष अगस्त में कुल 205 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। कम पानी की आवक का असर ओंकारेश्वर बांध पर भी दिखाई दे रहा है। यहां जलस्तर 195 मीटर से नीचे बना हुआ है। इंदिरा सागर से टर्बाइन के जरिए छोड़ा जा रहा पानी ओंकारेश्वर बांध तक पहुंच रहा है, जिसका उपयोग वहां जल विद्युत उत्पादन के लिए किया जा रहा है।

शनिवार को बरगी बांध के 17 गेट खोले जाने से नर्मदा में पानी की आवक बढ़ने की संभावना है। इसका असर इंदिरा सागर जलाशय के जलस्तर पर भी पड़ेगा। यदि आवक बढ़ी तो जलस्तर एफआरएल के करीब पहुंच सकता है। हालांकि अक्टूबर में बांध को 262.13 मीटर की पूर्ण जलभराव क्षमता तक रखने की व्यवस्था को देखते हुए तत्काल गेट खोलने की संभावना कम है।

सीबीएसई स्कूलों में बोर्ड परीक्षा की तैयारियां शुरू

- सैंपल पेपर से एग्जाम पैटर्न समझना आसान

भोपाल । सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) परीक्षा भले ही अभी कुछ महीने दूर हो, लेकिन सीबीएसई स्कूलों में इसकी तैयारी का सिलसिला शुरू हो गया है। कक्षा 10वीं और 12वीं की 2026-27 मुख्य बोर्ड परीक्षा के लिए सीबीएसई ने स्कूलों से लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स (एलओसी) जमा करने संबंधी निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए परीक्षा पैटर्न को समझने का एक अहम माध्यम सैंपल क्वेश्चन पेपर और मार्किंग स्कीम भी चर्चा में है।

सैंपल पेपर को केवल परीक्षा से पहले अभ्यास के लिए हल करने वाला पेपर समझना विद्यार्थियों की तैयारी को सीमित कर सकता है। इसमें प्रश्नों की प्रकृति, प्रश्नपत्र का डिजाइन और पाठ्यक्रम के विभिन्न हिस्सों को किस तरह पूछा जा सकता है, इसकी व्यापक समझ मिलती है। सीबीएसई स्वयं सैंपल पेपर और मार्किंग स्कीम को प्रश्नपत्र के डिजाइन तथा पाठ्यक्रम की उचित कवरेज के लिए मार्गदर्शक बताता रहा है। विद्यार्थियों के लिए चार काम जरूरी सैंपल पेपर को निर्धारित समय में हल करें। हल करने के बाद मार्किंग स्कीम से अपने उत्तरों का मिलान करें। जिन प्रश्नों में बार-बार गलती हो रही है, उनकी अलग सूची बनाएं। स्कूल में जमा होने वाले एलओसी में अपना नाम, विषय और अन्य विवरण सही हैं या नहीं, इसकी पुष्टि करें।

सिर्फ प्रश्न हल करना पर्याप्त नहीं

जानकारों का कहना है कि विद्यार्थी सैंपल पेपर हल करने के बाद मार्किंग स्कीम जरूर देखें। इससे पता चलता है कि किसी उत्तर में किन बिंदुओं को महत्व दिया गया है। खासकर लंबे उत्तर वाले प्रश्नों में विद्यार्थी कई बार जानकारी तो पूरी लिख देते हैं, लेकिन प्रश्न के अनुसार उत्तर को व्यवस्थित नहीं कर पाते। मार्किंग स्कीम देखकर वे यह समझ सकते हैं कि उत्तर में मुख्य बिंदु, अवधारणा, उदाहरण या आवश्यक चरण किस तरह प्रस्तुत किए जाने चाहिए। परीक्षा संगम पर सीबीएसई ने सैंपल क्वेश्चन पेपर, मार्किंग स्कीम, क्वेश्चन बैंक और मॉडल आंसर जैसी परीक्षा संबंधी सामग्री के लिए अलग व्यवस्था उपलब्ध कराई है।

एलओसी में छोटी गलती भी पड़ सकती है भारी

बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ स्कूलों में विद्यार्थियों का परीक्षा संबंधी डेटा भी तैयार किया जा रहा है। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं की मुख्य परीक्षाओं 2026-27 के लिए एलओसी जमा करने की प्रक्रिया संबंधी सर्कुलर 21 सितंबर को जारी किया था। इस चरण में विद्यार्थियों के नाम, विषय और अन्य विवरणों की शुद्धता महत्वपूर्ण है। सीबीएसई के पिछले एलओसी निर्देशों में भी विषय संबंधी विवरण को सावधानी से भरने पर जोर दिया गया था, क्योंकि बाद में विषय परिवर्तन से जुड़ी मांगें स्वीकार नहीं की जातीं।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा के लिए 46 हजार से अधिक किसानों का पंजीयन

भोपाल। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन के लिए अब तक 46 हजार 454 किसान पंजीयन करा चुके हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से समय सीमा में पंजीयन कराने की अपील की है।

प्रदेश में किसानों की सुविधा के लिए 1100 से अधिक पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। अब तक जबलपुर संभाग में 21,333, नर्मदापुरम में 5,167, भोपाल में 2,272, रीवा में 10,939, शहडोल में 4,552 और सागर संभाग में 2,166 किसानों ने पंजीयन कराया है।

ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और तहसील कार्यालयों के सुविधा केंद्रों तथा सहकारी समितियों और सहकारी विपणन संस्थाओं के केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था है। एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजी साइबर कैफे पर सशुल्क पंजीयन कराया जा सकता है। इसके लिए अधिकतम 50 रुपये शुल्क निर्धारित है।

समर्थन मूल्य पर बेची गई उपज का भुगतान प्राथमिकता से किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। पंजीयन और फसल बिक्री के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य है। किसानों को आधार से बैंक खाता और मोबाइल नंबर लिंक व अपडेट रखने की सलाह दी गई है। अधिकारियों को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी एसएमएस, ग्राम पंचायतों के सूचना पटल और मंडी स्तर पर बैनर के माध्यम से किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

मांगें नहीं मानी तो 1 अक्टूबर से राशन वितरण बंद

-कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद राशन विक्रेताओं का बड़ा ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था ठप होने वाली है। मध्य प्रदेश राशन विक्रेता संघ ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। संघ ने घोषणा की है कि 1 अक्टूबर से प्रदेश की सभी 28 हजार उचित मूल्य की सरकारी राशन दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेंगी।

इसी कड़ी में सोमवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर विक्रेताओं ने प्रदर्शन किया। भोपाल में बड़ी संख्या में राशन विक्रेता कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित विक्रेताओं ने कलेक्टर कार्यालय का मुख्य गेट बंद कर दिया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि मध्य प्रदेश में राशन विक्रेताओं को पूरे देश में सबसे कम कमीशन दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में इतने कम कमीशन से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित दुकानों की स्थिति बेहद खराब है, जहां वितरण कम होने से आमदनी न के बराबर है।

मप्र में सबसे कम कमीशन

राशन विक्रेता संघ के प्रदेश महासचिव रशिद खान ने बताया कि समूचे देश में मध्यप्रदेश में राशन विक्रेताओं का कमीशन सबसे कम है व ग्रामीण क्षेत्र के राशन विक्रेताओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इसके साथ ही विक्रेताओं को कभी समय पर उनका कमीशन नहीं दिया जाता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। बार-बार इन मांगों को लेकर सरकार से अपील की गई, लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया। इसलिए जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर अपना मांगपत्र कलेक्टर को सौंपा गया है। अगर समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो 1 अक्टूबर से संपूर्ण प्रदेश में राशन विक्रेता राशन वितरण बंद कर हड़ताल पर चले जाएंगे।

विक्रेताओं की प्रमुख पांच मांगें

विक्रेताओं की प्रमुख पांच मांगें हैं। पहली, खाद्यान्न वितरण पर मिलने वाले कमीशन को बढ़ाकर न्यूनतम 200 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए। दूसरी, शहरी और ग्रामीण सभी विक्रेताओं के लिए 40 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय या आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। तीसरी, परिवहन और तौल के दौरान होने वाले नुकसान को देखते हुए प्रति क्विंटल एक किलो की छूट दी जाए। चौथी, हर महीने के कमीशन का भुगतान 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से किया जाए। और पांचवीं, सेवा सहकारी समितियों और वन समितियों को शासन स्तर से निर्देश जारी हों कि वे अपने अधीन काम करने वाले विक्रेताओं का भुगतान समय पर करें। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने 30 सितंबर तक मांगें नहीं मानीं तो 1 अक्टूबर से प्रदेशभर में राशन वितरण पूरी तरह बंद रहेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

विनोद / 28 सितम्बर 26

छात्राओं के शोषण के खिलाफ सड़क पर उतरे विद्यार्थी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, बस स्टैंड से कॉलेज तक सीसीटीवी की मांग, पूरी नहीं हुईं तो धरने की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय अरण्य भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैहर में छात्राओं के साथ कथित शोषण के मामले को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में छात्रों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। महाविद्यालय परिसर से निकली छात्र आक्रोश यात्रा में 300 से अधिक छात्र-छात्राएं और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता शामिल हुए। नारेबाजी करते हुए छात्र एसडीएम कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले में कार्रवाई, पीड़ित छात्राओं की सुरक्षा तथा महाविद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े करते हुए ज्ञापन सौंपा।

छात्र आक्रोश यात्रा के दौरान जब-जब छात्र बोला है, राज सिंहासन डोला है, हम छात्र हैं, पढ़ने वाले, नहीं किसी से डरने वाले, विद्यार्थी परिषद जिंदाबाद, बैहर प्रशासन होश में आओ, भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारे गूंजते रहे। एसडीएम कार्यालय पहुंचीं मामले से जुड़ी छात्राओं ने भी अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं और आरोप लगाया कि उन पर लगातार अनावश्यक दबाव बनाए जाने की स्थिति बनी हुई है। विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी डॉ. आर.एस. कुशराम द्वारा छात्राओं के साथ लंबे समय से कथित अभद्र व्यवहार किया जाता था। परिषद के अनुसार एनसीसी में भर्ती को माध्यम बनाकर छात्राओं पर अनुचित दबाव बनाने और उन्हें कथित तौर पर ब्लैकमेल करने की शिकायतें सामने आई हैं। पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी किए जाने के बावजूद परिषद ने कहा कि मामला केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पीड़िताओं को सुरक्षा और पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई भी सुनिश्चित होनी चाहिए। आंदोलन के दौरान आदित्य अग्रवाल ने कहा कि यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसे लोगों के खिलाफ है जो पीड़ितों को लंबे समय तक अन्याय सहने और चुप रहने के लिए मजबूर करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत पीड़िताओं और उनके परिवारों पर अभी भी दबाव बनाए जाने की शिकायतें हैं। उन्होंने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। विद्यार्थी परिषद ने महाविद्यालय की महिला सुरक्षा कमेटी की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। छात्राओं के अनुसार, वर्ष 2022 से ही डॉ. कुशराम के व्यवहार को लेकर शिकायतें सामने आती रही थीं, लेकिन कमेटी की ओर से ठोस या वैधानिक कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप है। परिषद ने पूरे मामले की जांच कर कमेटी की भूमिका और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। ज्ञापन में प्रोफेसर रंजना कुशराम के महाविद्यालय से स्थानांतरण की मांग भी रखी गई। परिषद का आरोप है कि पूर्व में छात्राओं को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और प्रभावित करने के प्रयास किए गए तथा अब भी पीड़िताओं और आंदोलन से जुड़े छात्रों पर दबाव बनाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आंदोलनकारियों ने पीड़िताओं की पहचान की गोपनीयता को लेकर भी सवाल उठाए। परिषद का कहना है कि पीड़िताओं की पहचान गोपनीय रखने की मांग पहले की गई थी, इसके बावजूद प्रोफेसर रंजना कुशराम को पीड़िताओं के सामने बयान के लिए बुलाए जाने पर आपत्ति जताई गई। परिषद ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष समीक्षा की मांग की। छात्रों ने पुलिस प्रशासन के रुख को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि मामले में आरोपी पक्ष के प्रति नरमी बरते जाने का उन्हें आभास हुआ है। हालांकि यह आरोप आंदोलनकारियों की ओर से लगाए गए हैं, जिन पर प्रशासन की ओर से स्थिति स्पष्ट किया जाना बाकी है।

बस स्टैंड से कॉलेज तक सीसीटीवी की मांग

ज्ञापन में बैहर बस स्टैंड से महाविद्यालय परिसर तक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। परिषद का कहना है कि छात्राओं की सुरक्षा के लिए कॉलेज आने-जाने वाले मार्ग पर निगरानी व्यवस्था मजबूत होना जरूरी है। एसडीएम और एसडीओपी बैहर ने परिषद के पदाधिकारियों और छात्राओं को उनकी समस्याओं पर उचित ध्यान देने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने पीड़िताओं तथा आंदोलन का नेतृत्व कर रहे स्थानीय कार्यकर्ताओं पर किसी भी प्रकार का दबाव न बने, इसके लिए सुरक्षा उपलब्ध कराने की बात कही। बस स्टैंड से कॉलेज परिसर तक सीसीटीवी लगाने की मांग पर भी आश्वासन दिया गया। विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया कि छात्राओं की सुरक्षा और मामले में कार्रवाई को लेकर उनकी मांगें जारी रहेंगी। संगठन ने मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में बस स्टैंड पर धरना देने की चेतावनी दी है।आंदोलन में कलश असाटी, राहुल बूरडे, संदीप उइके, शरद बाजपाई, रैनित मेडावी, मनोज उइके, सोमिका यादव, दुर्गा उइके, चुनेन्द्र बघेले, प्रकाश धुर्वे, ऋषभ राउत, पीयूष बिसेन, अमन यादव और तारेन्द्र आर्मो सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं परिषद कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घरेलू विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या फिर कुएं में लगाई छलांग-मोहल्लेवासियों ने बचाई जान

आरोपी पुलिस अभिरक्षा में- घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 में घरेलू विवाद के चलते एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। पति ने धारदार हथियार से हमला कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और बाद में आत्महत्या के इरादे से कुएं में छलांग लगा दी। मोहल्लेवासियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे कुएं से बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। यह वारदात सोमवार की सुबह 7ः00 बजे से 11ः00 के बीच में हुई। कुएं में कूदने से घायल आरोपी कमल पिता शिवलाल कठौते 38 वर्ष को कटंगी के सामुदायिक अस्पताल में भर्ती किया गया है वही उसकी पत्नी मृतिका आरती पति कमल कठौते 33 वर्ष का शव उसके घर से बरामद किया गया और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कमल मजदूरी करता है। जिसके परिवार में पत्नी आरती के अलावा एक बेटी है बताया गया है कि कमल शराब पीने का आदी है। वह आए दिन घरेलू बातों को लेकर पत्नी से विवाद करता था। इसी कारण से करीब तीन माह पहले पत्नी आरती अपनी बेटी को लेकर मायके कान्द्री, मंसर (महाराष्ट्र) चली गई थी। करीब एक सप्ताह पहले ही वह वापस तिरोड़ी लौटी थी। लौटने के बाद भी दोनों पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद चल था।28 सितंबर की सुबह भी पति-पत्नी के बीच घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी कमल ने आवेश में आकर पत्नी आरती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। सिर और गले में गंभीर चोट लगने से आरती की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद कमल ने मोहल्ले वालों से मेरी पत्नी को बचा लो कहा और कुएं में छलांग लगा दी। शोर सुनकर मोहल्लेवासी मौके पर पहुंचे और उसे कुएं से बाहर निकाले। सूचना पर तिरोड़ी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल कमल को कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतका आरती का शव उसके घर से बरामद कर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।तिरोड़ी पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी कमल कठौते के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

पिकअप की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम सालेटेका में खैरलांजी रोड पर पिकअप वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक विजय कुमार पिता उरकुड़ जी राऊत 31 वर्ष ग्राम सालेटेका निवासी को खैरलांजी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।जहां उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कुमार मकान निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता है और काम के सिलसिले में नागपुर जाता था। उसके परिवार में पत्नी और एक वर्षीय बेटी है। करीब दो माह पहले विजय कुमार काम करने के लिए नागपुर गया था। इस दौरान उसकी पत्नी डिलेश्वरी राऊत अपनी बेटी के साथ अपने मायके रेंगाझरी में रह रही थी। करीब एक माह पहले विजय कुमार नागपुर से रेंगाझरी स्थित अपने ससुराल आया था और तब से वह पत्नी के साथ वहीं रह रहा था। बताया गया कि 27 सितंबर को विजय कुमार मोटरसाइकिल से अपने गांव सालेटेका आया था। शाम के समय वह अपनी मोटरसाइकिल से सालेटेका से खैरलांजी की ओर जा रहा था। इसी दौरान सालेटेका से आगे खैरलांजी रोड पर सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में विजय कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल विजय कुमार को उपचार के लिए खैरलांजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। घायल विजय कुमार का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है । घटना की सूचना मिलने पर खैरलांजी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों और पिकअप वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से बकरी चरा रही वृद्धा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम बगदरा में अमेड़ा रोड पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से बकरी चरा रही वृद्धा घायल हो गई। हादसे के बाद मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया। घायल वृद्धा कचरा बाई पति प्यारेलाल नगपुरे 60 वर्ष को डायल-112 की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बगदरा निवासी कचरा बाई नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करती हैं। खेती के अलावा वह अपने घर की बकरियां चराने भी जाती हैं। 28 दिसंबर को दोपहर के समय वह रोज की तरह बकरियां चराने के लिए अमेड़ा रोड की ओर गई थीं।बताया गया कि शाम करीब 4 बजे कचरा बाई अमेड़ा रोड के किनारे खड़ी होकर बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान अमेड़ा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कचरा बाई सड़क पर गिर गईं और उनके सिर तथा दोनों हाथों में चोट आई।हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कचरा बाई के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की मदद से घायल वृद्धा को डायल-112 के माध्यम से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल कचरा बाई का बयान दर्ज किया। इसके बाद मामले को आगे की कार्रवाई के लिए ग्रामीण थाना नवेगांव भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा घटना की जांच करते हुए फरार मोटरसाइकिल चालक की तलाश की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट